वर्ष 24, अंक 310, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 17 मई 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ऑपरेशन सिंदूर के कारण रक्षाबजट में 50 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

सेना की ताकत में होगा इजाफा!

नई दिल्ली

रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर भारत सरकार पूरक बजट के माध्यम से रक्षा क्षेत्र को अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपये आवंटित कर सकती है। इससे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा व्यय 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा, जो भारत की सैन्य तैयारियों और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को पर्याप्त मजबूती प्रदान करेगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले ने इस बदलाव की एक गंभीर याद दिलाई। भारत की प्रतिक्रिया जानबूझकर, सटीक और रणनीतिक थी।

नियंत्रण रेखा (एलओसी) या अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार किए बिना, भारतीय सेना ने

आतंकवादी ढांचे पर हमला किया और कई खतरों को खत्म कर दिया। हालांकि, सामरिक प्रतिभा से परे, जो बात सबसे अलग थी, वह थी राष्ट्रीय रक्षा में स्वदेशी हाई-टेक प्रणालियों का निर्बाध एकीकरण। चाहे ड्रोन युद्ध हो, लेयर्ड एयर डिफेंस हो या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, ऑपरेशन सिंदूर सैन्य अभियानों में तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में घोषित 6.81 लाख करोड़ रुपये का रक्षा आवंटन पहले से ही रिकॉर्ड उच्च था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने विशेष रूप से अनुसंधान, हथियारों की खरीद और वायु रक्षा उन्नयन के लिए बढ़े हुए वित्तपोषण की मांग को बढ़ावा दिया है। संसद के आगामी सत्र में पूरक निधियों को पेश किए जाने की उम्मीद है।

हमारी सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए योजना बनाएगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आजादपुर मंडी का दौरा करने के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण की योजना तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली की मंडियों में सुविधाओं का अभाव है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंडियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए कुछ नहीं किया। यहां मजदूर और व्यापारी काम करते है लेकिन न तो सफाई है और न ही सुरक्षा।

गुप्ता ने मंडियों के कामकाज में

भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और उनके लिए आधुनिकीकरण योजना लाने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, हमारी सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण की योजना लाएगी। हम इन मंडियों की सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की दिशा में काम करेंगे।

तुर्की को अडानी ने सबक सिखा दिया, कर दी ये बड़ी स्ट्राइक

मुंबई

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने कहा कि उसने मुंबई और अहमदाबाद एयरपोर्ट के लिए तुर्की की कंपनी सेलेबी के साथ ग्राउंड हैंडलिंग रियायत समझौते को समाप्त कर दिया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए तुर्की की ग्राउंड-हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एनएएस एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के बाद लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद हवाई अड्डों के प्रवक्ताओं ने कहा कि सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के भारत सरकार के फैसले के बाद, हमने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) और अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसवीपीआईए) पर सेलेबी के साथ ग्राउंड हैंडलिंग रियायत समझौतों को समाप्त कर दिया है। तदनुसार, सेलेबी को निर्बाध परिचालन सुनिश्चित करने के लिए तुरंत सभी ग्राउंड हैंडलिंग सुविधाएं हमें सौंपने का निर्देश दिया गया है।

अब पाकिस्तान पर डिप्लोमेसी स्ट्राइक, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के 8 ग्रुप 8 देशों को बताएंगे हकीकत

नई दिल्ली - नरेंद्र मोदी सरकार विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को प्रमुख वैश्विक राजधानियों में भेजने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है, जिससे देश की स्थिति सीमा पार आतंकवाद के निरंतर शिकार के रूप में मजबूत होगी। सूत्रों से संकेत मिलता है कि ये प्रतिनिधिमंडल जल्द ही यात्रा करना शुरू कर सकते हैं, क्योंकि नई दिल्ली का लक्ष्य कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के

पाकिस्तान के प्रयासों का मुकाबला करना और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय टिप्पणियों का जवाब देना है, जिसमें हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा तीसरे पक्ष की भागीदारी की वकालत करने वाली टिप्पणियां शामिल हैं - एक ऐसा दृष्टिकोण जिसका भारत ने द्विपक्षीय ढांचे के पक्ष में लगातार विरोध किया है। विदेश मंत्रालय द्वारा अन्य संबंधित सरकारी विभागों के साथ समन्वित यह पहल सीमा पार से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद पर एक संयुक्त भारतीय आख्यान प्रस्तुत करने पर केंद्रित होगी। विदेश में भारतीय मिशन इस कूटनीतिक अभियान का समर्थन करने के लिए यात्रा करने वाली संसदीय टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ दरभंगा में 2 FIR दर्ज, BJP बोली- उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए

बिहार - लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के कई पदाधिकारियों के खिलाफ गुरुवार को दरभंगा के अंबेडकर कल्याण छात्रावास में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए और बिना अनुमति के कथित रूप से अनाधिकृत जनसभा आयोजित करने के आरोप में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इन मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये सभी मेरे लिए पदक हैं। मेरे खिलाफ 30-32 मामले दर्ज हैं। दरभंगा के एसडीपीओ (सदर) अमित कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन ने पार्टी कार्यकताओं के औपचारिक अनुरोध के बाद राजेंद्र भवन (टाउन हॉल) में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कांग्रेस को लिखित अनुमति दी थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अंबेडकर छात्रावास परिसर में एक अलग कार्यक्रम के लिए अनधिकृत तैयारी थी।

सेना पीएम मोदी के चरणों में नतमस्तक है... MP के डिप्टी सीएम का विवादित

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शुक्रवार को यह कहकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया कि सशस्त्र सेनाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे झुकना चाहिए। कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देवड़ा के इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने उनके बयान को शर्मनाक बताया और राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जबकि भाजपा ने देवड़ा का बचाव करते हुए कांग्रेस पर उनके शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने देवड़ा के भाषण की क्लिप शेयर करते हुए कहा, 'देश

की सेना और जवान प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं।' यह बात मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कही है। जगदीश देवड़ा का यह बयान बेहद घटिया और शर्मनाक है। यह सेना के शौर्य और साहस का अपमान है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सेना और सैनिक किसी के चरणों में नतमस्तक है- ऐसी बात इस देश का कोई व्यक्ति कह ही नहीं सकता। क्योंकि पहलगाम हमले के बाद जिस सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया और पाकिस्तान की रूह कंपा दी, उस सेना के लिए ऐसा कहना पाप है, लेकिन इखढ और उनके नेता ये काम बार-बार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सेना के लिए पूरे देश में हर व्यक्ति के मन में सम्मान है और पूरा राष्ट्र कृतज्ञ है, क्योंकि सेना की वजह से ही हम सुरक्षित रह पाते हैं। सेना के लिए जिस व्यक्ति के मन में ऐसी दुर्भावना और गंदे विचार हैं, उसका किसी पद पर रहने का कोई हक नहीं है।

पंजाब में आप सरकार ने शुरू की नशा मुक्ति यात्रा

भगवंत मान के साथ मौजूद रहे अरविंद केजरीवाल

पंजाब

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की, जिसे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किया गया है। पंजाब में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के इस प्रयास में उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति यात्रा पंजाब के प्रत्येक गांव और वार्ड में जाएगी ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ लोगों के संकल्प को मजबूत किया जा सके। यह लोगों को नशे की लत के शिकार लोगों को इलाज मुहैया कराने के लिए राजी करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी ताकि उनकी भलाई सुनिश्चित हो सके।

केजपीवाल ने इसकी शुरूआत करते हुए कहा कि पंजाब में नशे के विरुद्ध छिड़ा हुआ है युद्ध। पंजाब में नशे के विरुद्ध जबरदस्त लड़ाई चल रही है, गांव नशा मुक्त हो रहे हैं। जिन कुछ जगह नशे के बीज बचे हैं, जल्द ही उन्हें भी खत्म करेंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे की गिरफ्त में डाल दिया था। सरकार के मंत्री नशे का कारोबार करते थे। लेकिन आज पंजाब में ईमानदार सरकार है और हमारा कोई नेता नशे का कारोबार नहीं करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए हमारी जान भी हाजिर है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब के लोगों को भी पंजाब को नशा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। आपको किसी भी नशा तस्कर की जमानत नहीं लेनी है। इसके साथ ही नशा पीड़ित को बचाने के लिए सरकार के नशा मुक्ति केंद्र में ले जाइएगा, हम वहाँ उनकी मदद करेंगे। सरकार के सभी रिहैब सेंटर शानदार बना दिए गए हैं। हमारी सरकार सभी 13,000 गांवों में खेल के मैदान बना रही है और 3,000 पिंड में जिम शुरू किया जा रहा है मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जाब में नशा खत्म करने के लिए सभी को मिलकर लोक लहर चलानी होगी।

पंजाबी अगर किसी बुराई को खत्म करने के लिए ठान लेते हैं तो फिर उसे खत्म करके ही छोड़ते हैं। हमें फिर से पंजाब को खेलों वाला, फौज में भर्ती होने वाले युवाओं वाला रंगला पंजाब बनाना है। उन्होंने कहा कि इस बार फिर 12वीं कक्षा के नतीजों में लड़कियों ने बाजी मारी है।

केरल में नए स्कूल वर्ष के दो सप्ताह तक कोई Text Book नहीं, केवल सोशल अवेयरनेस

केरल- केरल में लोक शिक्षा विभाग ने घोषणा की है कि 2025-2026 शैक्षणिक वर्ष के पहले दो सप्ताह नियमित पाठ्यपुस्तक पाठ्यक्रम के बजाय सामाजिक जागरूकता कक्षाओं के लिए समर्पित होंगे। यह पहल देश में अपनी तरह की पहली पहल है, और इसका उद्देश्य छात्रों को सामाजिक मुद्दों पर शिक्षित करना है। शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने साझा किया कि जागरूकता अभियान नशीली दवाओं के दुरुपयोग, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश और भावनात्मक नियंत्रण सहित कई विषयों को संबोधित करेंगे। शिवनकुट्टी ने कहा कि दो सप्ताह तक बच्चे पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन नहीं करेंगे, लेकिन हम विभिन्न विषयों पर जागरूकता सत्र और चर्चाएं आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि इन सत्रों के लिए दिशानिर्देश पुलिस, आबकारी, बाल अधिकार आयोग, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, महिला एवं बाल विकास, केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) और अन्य संबंधित विभागों के विशेषज्ञों की भागीदारी वाली दो दिवसीय कार्यशाला के बाद तय किए गए।

पाकिस्तान के लिए फिर उमड़ा महबूबा मुफ्ती का प्यार, कर दी ये बड़ी मांग

'युद्ध के मुहाने से लौटे हैं, अब...',

जम्मू-कश्मीर

22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड कर दिया था. मामले को लेकर खूब राजनीति हो रही है. ताजा घटनाक्रम में पीडीपी चीफ और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि इसे निलंबित करना दुर्भाग्यपूर्ण है. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि ये एक उकसाने वाली बात है.

महबूबा मुफ्ती ने कहा, "मुझे लगता है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है. हमारे सीएम उमर साहब जानते हैं कि दोनों देश युद्ध के कगार से वापस आ चुके हैं और अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ा. हमारे कई लोग यहां शहीद हुए हैं, कई गांव तबाह हो गए हैं, इतनी तबाही के बाद अब जाकर कुछ राहत मिली है तो ऐसे में यह कहना कि सिंधु जल संधि निलंबित होने के बाद हम तुलबुल नेविगेशन बैराज बनाएंगे, मुझे लगता है कि यह उकसावे की बात है. पीएम मोदी को फैसले पर फिर से सोचना चाहिए

उन्होंने आगे कहा, ह्रहमें ऐसी बातें कहनी चाहिए जो शांति को बढ़ाएं, हमें ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए जो उकसावे की बात करें. उमर साहब कह रहे हैं कि हम यहां एक बिजली परियोजना बनाएंगे, लेकिन वह भूल गए कि जब वह केंद्रीय मंत्री थे तो फारूक साहब सीएम थे, उन्होंने दिल्ली को सात बिजली परियोजनाएं भेंट की थीं. मुझे लगता है कि नई दिल्ली को भी इस बारे में सोचना चाहिए और अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए. पाकिस्तान को भी शिमला समझौते को निलंबित करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए. हमें अपने मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करना चाहिए."

पाकिस्तान के कुछ लोगों को खुश करने की कोशिश

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को तुलबुल नेविगेशन बैराज को को लेकर दिए महबूबा मुफ्ती के इस बयान की आलोचना की. उन्होंने इसे खारिज करते हुए सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश और पाकिस्तान में कुछ वर्गों को खुश करने का प्रयास बताया.

उन्होंने कहा, उत्तरी कश्मीर में वुलर झील. वीडियो में आप जो सिविल कार्य देख रहे हैं, वह तुलबुल नेविगेशन बैराज है. इसे 1980 के दशक की शुरूआत में शुरू किया गया था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान के दबाव में इसे छोड़ना पड़ा. अब जबकि IWT को "अस्थायी रूप से निलंबित" कर दिया गया है, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम इस परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।

अनुराग ठाकुर, शशि थरूर, मनीष तिवारी, ओवैसी...

सांसदों की टोली दुनिया के सामने खोलेगी पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए एक बड़े कूटनीतिक प्रयास में बहुदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को दुनिया की प्रमुख राजधानियों में भेजने का फैसला किया है। 48 सदस्यीय अंतर-दलीय प्रतिनिधिमंडल 22 मई से 1 जून

तक विभिन्न देशों की यात्रा करते हुए विदेशी सरकारों और संस्थाओं के समक्ष पाकिस्तान के खिलाफ भारत के साक्ष्य और नई दिल्ली के रुख को प्रस्तुत करेगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर को अपनी पार्टी की लक्ष्मण रेखा की चेतावनी का जवाब देने के एक दिन बाद, अगले सप्ताह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करने के लिए विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का सदस्य बनाया गया है। सरकार ने विपक्षी सांसदों सहित कई राजनीतिक दलों के सांसदों से संपर्क किया है और राजनयिक मिशन में उनकी भागीदारी की मांग की है। कई दलों ने पहले ही इस पहल के लिए अपने प्रतिनिधियों को भेजने की मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि प्रतिनिधिमंडल और प्रतिभागियों की सही संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ नेताओं का अनुमान है कि 30 से अधिक सांसद भाग ले सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल 10 दिनों की अवधि में विभिन्न देशों का दौरा करने वाले हैं। सांसदों को सरकार द्वारा नामित विभिन्न क्षेत्रीय ब्लॉकों में नियुक्त किया जाएगा।

कर्नाटक में एससी उप-जाति सर्वेक्षण उम्मीद से बेहतर चल रहा, पैनल हेड ने जताई समय से पूरा होने की उम्मीद

कर्नाटक

कर्नाटक में अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण प्रक्रिया की देखरेख करने वाली समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एचएन नागमोहन दास ने गुरुवार को कहा कि चल रहा सर्वेक्षण उम्मीद से बेहतर चल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि विस्तारित समय सीमा के अंत तक पूरा सर्वेक्षण पूरा हो जाएगा। प्रगति हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा है। मुझे उम्मीद है कि आज जो अतिरिक्त समय दिया गया है, उसमें हम 100% काम पूरा कर लेंगे।

जस्टिस दास ने कहा कि दलितों के लिए आंतरिक आरक्षण पर राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपने का भी काम सौंपा गया है। अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी के भीतर उप-जाति वितरण निर्धारित करने के लिए की जा रही जाति जनगणना में कुछ कठिनाइयाँ आई हैं। न्यायमूर्ति दास ने कहा मुख्य चुनौती यह है ।

टीचर ने साढ़े तीन साल के छात्र को मारा थप्पड़, मौत

भाई बोला - टीचर ने भाई के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया जिससे भाई का सिर बेंच में टकरा गया और वह जमीन पर गिर गया, उसके मुंह और नाक से खून निकलने लगा, भाई 10 मिनट तक पानी मांगता रहा और एक दम से चुप हो गया

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी में टीचर के थप्पड़ मारने से नर्सरी के साढ़े तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। उसी स्कूल में सेकेंड क्लास में पढ़ने वाले छात्र के भाई ने बताया- मेरा भाई रो रहा था। दो टीचर उसे मेरे क्लास में लेकर आईं और बेंच पर बैठा दिया। भाई ने रोना बंद नहीं किया तो एक टीचर ने भाई के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। भाई का सिर बेंच में टकरा गया। वह जमीन पर गिर गया। उसके मुंह और नाक से खून निकलने लगा। भाई ने टीचर से पानी मांगा। मगर किसी ने उसे पानी नहीं दिया। करीब 10 मिनट तक भाई पानी मांगता रहा, फिर एक दम से चुप हो गया। एक टीचर ने भाई को हिलाया, जब वह कुछ नहीं बोला तो टीचर भागकर बाहर गईं। मेरे घर वालों को फोन कर बुलाया। मम्मी-

मृतक छात्र की फाइल फोटो

पापा भाई को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता की तहरीर पर दो महिला टीचर पर केस दर्ज किया गया है। घटना नैनी कोतवाली क्षेत्र की है।

स्कूल से कॉल आई, कहा- आपका बच्चा बेहोश हो गया नैनी थाना क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी में रहने वाले किराना दुकानदार वीरेंद्र ने

मासूम छात्र की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

बताया कि मेरा साढ़े तीन साल का बेटा शिवाय नर्सरी में पढ़ता था। इसी स्कूल में उसकी बड़ी बहन पूर्वी कक्षा तीन और बड़ा भाई सुमित कक्षा दो में पढ़ते हैं।

छात्र की मां पूनम ने बताया- में गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे शिवाय को स्कूल छोड़कर आई थी। करीब 9 बजे स्कूल से मेरे पति वीरेंद्र के पास एक मैडम का फोन आया। उन्होंने कहा- आपका बच्चा बेहोश हो गया है।

भाई ने बताया- टीचर के थप्पड़ मारने से छोटा भाई गिर गया शिवाय के बड़े भाई सुमित ने बताया कि जब छोटा भाई रो रहा था तो टीचर आरती ने उसे डांट दिया। फिर मैडम उसके गाल पर जोर से थप्पड़ मार दिया। वह जमीन पर गिर गया और रोते-रोते पानी मांगता रहा। मगर पानी नहीं दिया।

इंस्पेक्टर नैनी बृजेश किशोर ने बताया बच्चे के घरवालों से बातचीत कर शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। बिसरा सुरक्षित रखा गया है। मौत की वजह साफ नहीं है। परिवार ने दो टीचर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। स्कूल में ताला लगा हुआ है।

मांडा में पति की हत्यारिन पत्नी व बेटों को जेल

पुलिस गिरफ्त में हत्यारे

मांडा। मांडा थाना क्षेत्र में एक परिवार के भीतर का विवाद खूनी वारदात में बदल गया। मांडा खास रानी का तारा के निवासी दिनेश मौर्य (57) की हत्या उनकी पत्नी सोना देवी और बेटे अनिल व सुनील ने कर दी।

घटना की जानकारी तब सामने आई जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। मृतक के भतीजे सुरेश मौर्य की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने गिरधरपुर इलाके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दिनेश मौर्य बीस साल पहले एक युवती के साथ सूरत चले गए थे। वह दो साल पहले घर लौटे। वह रोज शराब पीकर घर में विवाद करते थे। घटना से एक दिन पहले उन्होंने पचास किलो सरसों चोरी कर बेच दी और शराब पीकर घर आ गए। इस पर हुए विवाद में आरोपियों ने दिनेश को नीम के पेड़ से बांधकर पीटा। आरोपियों का कहना है कि उनका इरादा केवल डराने का था, लेकिन पिटाई के कारण उनकी मौत हो गई। डर के कारण शव को गंगा में फेंक दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाठी और रस्सी बरामद कर ली है। आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और शव छिपाने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। वही गंगा में फेकें गए शव को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकलवा कर पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के लिए शहर भेज दिया है।

लेखपाल कानूनगो तहसील और जिले के आकाओं का भी हुक्म नहीं मानते

अखंड भारत संदेश

दास्तान ए तहसील कोरांव

जिलाधिकारी प्रयागराज का कोरांव में लोग बेसब्री से कर रहे इंतजार

कोरांव। तहसील कोरांव में लगता है जिस दिन जिलाधिकारी आ टपके उसी दिन साल साल भर से फरियादियों की एकत्रित शिकायतों का पाई पाई का हिसाब होगा, और राजस्व कर्मी अफसर जवाब देह होंगे।

दरअसल इस समय कोरांव तहसील में मुख्य मंत्री, प्रमुख सचिव राजस्व लखनऊ, कमिश्नर प्रयागराज मंडल, जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रयागराज, जन प्रतिनिधियों को प्रेषित शिकायतों पर आये आदेश का निस्तारण न होने से और फर्जी शिकायतों का निस्तारण करने से स्थलीय जांच पड़ताल किए बिना मनमानी आख्या लगा लगा कर निस्तारण किए जाने शिकायतों का वास्तविक और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण, न्यायोचित कार्यवाही न होने से शिकायतों की लंबी फेहरिस्त बन गई है।

लोगों का आरोप है कि अधिकारियों के आदेश का अनुपालन लेखपाल, कानूनगो स्तर पर जा कर डंप हो जाता है। उक्त कर्मी जो ज्यादातर लोकल निवासी है जिनसे न्यायोचित समाधान कार्यवाही भी मुमकिन नहीं हो पाती। इस निमित्त आए दिन कहीं लेखपालों, और अधिवक्ताओं पत्रकारों वादकारियों फरियादियों के मध्य तू तू मैं मैं बाद विवाद मारपीट तक होती रहती हैं।

तहसील के कई वकीलों ने स्थानीय राजस्व लेखपाल, कर्मियों की राजस्व बोर्ड शासनादेश के विपरीत तैनाती पर भी उंगली उठने लगी है। चर्चा है कि उक्त कर्मियों की शिकायतें एसडीएम तहसीलदार से तो की जाती हैं लेकिन कोई कर्मचारी हुक्म मानते नहीं।

इस संदर्भ में इस प्रेस प्रतिनिधि ने तहसीलदार कोरांव से बुधवार को जनसुनवाई सभागार में बात चित किया तो उन्होंने सीधे लेखपालों की कमी बताई, और कहा आप सब साशन से भी अनुरोध करें कि लेखपालों की संख्या बहुत कम है। लेखपाल भेजे जाएं जिससे समय से समस्याओं का निस्तारण हो सके।

फिलहाल तहसील कोरांव में सासन और जिले के अधिकारियों के जितने भी निर्देश कार्यवाही के आए हैं सब निचले कर्मियों के पास जा कर एकत्रित हो रहे हैं। जिस कारण शिकायतों का अंबार लगता जा रहा है उसी तरह फर्जी मनमानी शिकायतों के निस्तारण भी जनसुनवाई ऐप पर अपलोड भी किए जा रहे हैं। लोगों की इच्छा है कि यदि जिलाधिकारी प्रयागराज कोरांव की जन शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता, कार्यवाही, की सत्यापन सही से करा लें तो निस्तारण का घोटाला सामने आ जाएगा।

जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान नागरिकों ने समाचार पत्रों के माध्यम से आकृष्ट कराया है जिससे न्यायोचित कार्यवाही हो सके और आदेशों का पालन न करने पर समुचित कार्यवाही भी हो जाए।

क्या है शिकायतें

- अधिकारी गण नियमित नहीं मिलते।
- अवैध कब्जों को हटवाने।
- कई ग्राम प्रधानों द्वारा भूमि प्रबंधक समिति का पात्रों को पट्टा का प्रस्ताव कर।
- स्वीकृति की कार्यवाही न किए जाने।
- अधिकारियों के आदेशों का अनुपालन न होने, पुलिस द्वारा कार्यवाही समुचित रूप से न किए जाने।
- लेखपाल कानूनगो लोकल होने के नाते किसानों मजलूमों की निष्पक्षता पूर्वक समाधान न होने।
- राजस्व की जमीन से भू माफियाओं के अवैध कब्जे न हटने आदि की शिकायतें आम हैं।
- बिजली विभाग द्वारा कोई समस्या शिकायतों का समाधान न होने।
- कोटेदारों द्वारा मनमानी की शिकायतें।
- यातायात की समस्याएं आदि हैं।

क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन जोरों पर, प्रशासन मौन

अखंड भारत संदेश

मांडा। इलाकाई थाना मांडा क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का खनन जोरों पर चल रहा है। सब कुछ पुलिस व प्रशासन के नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन प्रशासनिक अमला शांत बैठा हुआ है। पूरे क्षेत्र में जेसीबी व ट्रैक्टर लगा कर खनन माफिया शासन के दिशा निदेशों की धज्जियां उड़ा रहे है। कार्रवाई न होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंदी पर है।

शासन ने पूरे प्रदेश में अवैध रुप से हो रहे खनन पर रोक लगाई हुई है। खनन के लिए शासन से आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रशासनिक अमले को दी गई है। इसके बाद भी मांडा क्षेत्र में पुलिस व तहसील प्रशासन की अनदेखी एवं मिली भगत के कारण मिट्टी खनन का कार्य बे रोक-टोक चल रहा है। खनन माफिया खुलेआम जेसीबी से ट्रैक्टर-ट्राली पर मिट्टी लाद कर क्रय विक्रय कर रहे है। कुछ लोगों ने नाम को गोपनीय रखने कि बात कहकर पूछताछ में बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी तालाबों से प्रधान की अनुमति से मिट्टी क्रय विक्रय हो रहा। प्रधान कुछ ट्रॉली मिट्टी गांव के काम में लेते है उसके बाद क्रय विक्रय का काम शुरू होता है। जबकि शासन की तरफ से तालाबों को खोदवाने का प्रावधान नरेगा मजदूरों का है। मगर ऐसा नहीं

अवैध मिट्टी ले जाता ट्रैक्टर

हो रहा है। लेकिन खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद है। कुछ ट्रैक्टर ड्राइवर ने भी नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि जेसीबी मशीनों के मालिक पहले से ही संबंधित थाने या पुलिस चौकी पर पैसे दे देते हैं जिससे की प्रशासन भी अनदेखी करता है।अवैध रूप से खनन के बाद लदी मिट्टियां लेकर रोड पर चलने वाले ट्रैक्टर चालकों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि अक्सर हादसे भी होते है। और मजे की बात ये है कि ज्यादातर ट्रैक्टर ड्राइवर नाबालिक रहते हैं। इसके बाद भी इन अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

यदि कार्रवाई पुलिस प्रशासन चाहती तो मांडा थाने के सामने से मिट्टी लादकर उड़ान भरते है लेकिन सब कुछ उनके सी सी टी वी कैमरे में कैद है। वही अवैध कारोबारियों पर तंज कसने के बजाय संलिप्त होने के कारण क्षेत्र में पुलिसिया कार्रवाई पर तरह तरह की चर्चाए फैली हुई है। लगे सीसी टीवी कैमरे में कैद साक्ष को ठेंगा दिखाते हुए धन की उगाही कर रहे है। वही जिम्मेदार अधिकारी मौत धारण कर चुप्पी साधे बैठे हुए है।

पास्को एक्ट के अभियुक्त को आजीवन कारावास 60 हजार जुर्माना

अखंड भारत संदेश

जंघई। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाये जा रहे आपरेशन कनविक्शन अभियान के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में जोन-गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस के द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन द्वारा प्रभावी पैरवी के क्रम में 16 मई को मा0 न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष संख्या-01 इलाहाबाद द्वारा थाना सरायममरेज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-58/2016 धारा-376 भा0द0सं0 व 4/6 पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त आलोक उर्फ पप्पू पांडेय पुत्र शीतला प्रसाद पांडेय निवासी बीबीपुर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को धारा-376 भा0द0सं0 में आजीवन कारावास व 10,000/- रुपये के अर्थदंड तथा धारा-6 पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास व 50,000/- रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। पैरवी करने वाली टीम में एडीजीसी मनोज त्रिपाठी, सरायममरेज थानाध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह, उ0नि0 भोला सिंह कोर्ट मोहर्रिर, हे0का0 शशिकांत पैरोकार थाना सरायममरेज, कमिश्नरेट प्रयागराज शामिल रहे।

जंघई जंक्शन पर टिकट दलालों का कब्जा, प्रशासन हुआ मूकदर्शक

अखंड भारत संदेश

जंघई। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर टिकट दलालों ने अपना आधिपत्य जमा लिया है सूत्रों के अनुसार इस गिरोह का सरगना पप्पू धोबी को बताया जा रहा है। पप्पू धोबी यात्रियों को हड़काता है और कहता है हर जगह मेरा महिना जाता है मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता सैकड़ों का टिकट हजारों में ब्लैक करता है और प्रशासन कि मौन स्वीकृति है। 12 महिने पप्पू धोबी की दलाली चरम पर रहती है, काफी लोगों से पैसा लेने के बावजूद टिकट नहीं देता और पैसा भी वापस नहीं करता कहता है कि सर्वर न चलने के कारण पैसा फंस गया टिकट भी नहीं निकला। शादी विवाह का मौसम होने के कारण इन? दिनों टिकट की मारा-मारी है और लोग टिकट लेने के लिए जब जंघई जंक्शन पर जाते हैं तो घंटों लाइन लगाकर खड़े रहने के बाद भी टिकट नहीं पाते जबकि पप्पू धोबी टिकट खुलेआम खरीद कर ब्लैक करता है। जो ट्रेनें चल रही हैं

महानगरों के लिए उसमें टिकट लेना आसान नहीं है ऐसे में टिकट दलालों की सक्रियता बढ़ गई है दलाल एक-एक टिकट पर तीन गुना पैसा वसूल रहे हैं। टिकट दलाल बहुत ही होशियारी से अपना काम कर रहे हैं। हर दिन उनके लोग काउंटर पर खड़ा हो जाते हैं। टोकन विधि से टिकट लेने में भी यह आगे रह रहे हैं आसानी से अपना टिकट बनवा ले रहे हैं। जबकि सप्ताह भर से टिकट के लिए परेशान लोग लाइन में किसी प्रकार खड़े होते है तो सुबह होते ही दलालो की टीम उन्हें लाइन से निकालकर खुद पहला दूसरा नंबर ले लेते हैं। यात्रियों का कहना है कि टिकट दलालों का सहयोग रेलवे प्रशासन किया जाता है ऐसे में लाइन में लगे लोग मायूस हो कर लौट जाते है, जंघई में टिकट के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ तहसील संरक्षक बने पवन शुक्ला

सहसों। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गंगापार जिला संगठन ने पत्रकार पवन शुक्ला को तहसील फूलपुर का संरक्षक नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी की पुष्टि करते हुए महासंघ के गंगापार जिला अध्यक्ष श्याम कृष्ण शुक्ल ने बताया कि पवन शुक्ला के कार्यशैली को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन को उम्मीद है कि पवन शुक्ला के मार्गदर्शन में फूलपुर तहसील के पत्रकारों को एक नई दिशा और मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त संरक्षक पवन शुक्ला ने संगठन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वह पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और संगठन को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस नियुक्ति से उन्हें

बधाई देने वालों में वरिष्ठ पत्रकार हर्ष देव तिवारी, राजू तिवारी, तहसील अध्यक्ष फूलपुर जय कृष्णा पांडे वीरू, शिवनंदन त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता / महामंत्री जितेंद्र शुक्ला सहित आदि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गंगापार के पदाधिकारी एवं सदस्य रहे।

शासन के निर्देश पर रोस्टर से ग्राम पंचायत अलहवा में लगी चौपाल

क्षेत्रिय पंचायत अधिकारी कोरांव ने की अध्यक्षता

अखंड भारत संदेश

कोरांव। सरकार की मंशा अनुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत रोस्टर के क्रम में बृहस्पतिवार को दो ग्राम पंचायतों क्रमशः अल्हवा और देवरी में लगी चौपाल में ग्रामवासियों ने कई समस्याएं चौपाल जन सुनवाई में सुनाई, जिसका नोडल अधिकारी मुख्य अतिथि ने सक्छम अधिकारियों तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

चौपाल कार्यक्रम में नागरिकों ने निलंबित कोटेदार अलहवा लाल बहादुर पाल द्वारा दिसंबर माह 2024 का अंत्योदय कार्ड धारकों का खाद्यान्न गबन कर लेने के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कारा कर रिकवरी कर संबंध कोटेदार देवघाट को सुपर्द किए

चौपाल में लोगों को संबोधित करते अधिकारी

जाने, प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की संख्या बढ़ाए जाने, सचिवालय भवन में तीन साल से लगे बी एस एन एल का वाई फाई सेट को सक्रिय किए जाने की मांग, ग्राम समाज की जमीनों भू माफियाओं से मुक्त कराकर भूमि प्रबंधक समिति अल्हवा द्वारा पात्रों को प्रधान मंत्री एवं मुख्य मंत्री आवास योजना के भूमिहीन लाभार्थियों को आवास तथा कृषि कार्य हेतु पट्टे किए जाने के बावजूद तहसील अधिकारियों द्वारा पट्टा स्वीकृति न किए जाने, ग्राम की निधि कम होने के नाते काया कल्प करने हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने, ग्राम पंचायत में पंचायत ऑपरेटर का पद निष्कासन के बाद रिक्त की पूर्ति किए जाने, आदि आधा दर्जन से अधिक समस्याओं को कार्यवाही में शामिल किया गया।

इसके अतिरिक्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत कोरांव विवेक कुमार मिश्र और ग्राम प्रधान अलहवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सुनवाई की। संचालन राजन ग्राम पंचायत अधिकारी ने किया। सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री मिश्र ने उक्त चौपाल में प्राप्त शिकायतों समस्याओं को तहसील और जिले के सक्छम अधिकारियों के पास निस्तारण समाधान हेतु पत्राचार कर कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया।

इस दौरान वृद्ध, विधवा, पेंशन लाभार्थियों का तथा आवास लाभार्थियों के पात्रता का सत्यापन भी किया। चौपाल में ग्रामीणों के अतिरिक्त रोजगार सेवक सूर्य दीन सिंह, सोन कली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, प्रेमलता सहायिका, सफाई कर्मी दिनेश कुमार, सहित लीग मौजूद थे।

नैनी नगर निगम जोनल कार्यालय में व्याप्त अनियमितताओं से आम नागरिक त्रस्त, अधिकारी मस्त

कार्यालय में समय से नहीं पहुंचते कर्मचारी

नैनी। नैनी नगर निगम जोन 5, कार्यालय में व्याप्त दुर्व्यवस्था के कारण नैनी नगर निगम क्षेत्र के निवासियों को इस भीषण गर्मी में अनायास ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नैनी विकास परिषद के संयोजक गजेन्द्र प्रताप सिंह एवं अवन्तिका विकास समिति के महामंत्री अखिलेश सिंह ने आरोप लगाया है कि जब भी नैनी जोन कार्यालय किसी जनहित के कार्य से जाना होता है तो वहां न तो समय से कर्मचारी पहुंचते हैं न ही अधिकारियों से मिल पाना सम्भव हो पाता है। गजेन्द्र सिंह का कहना है कि फोन करने पर उनका फोन नहीं उठता, ऐसे में इस भीषण

गर्मी में जोन कार्यालय जाना-आना मुसीबत को दावत देने से कम नहीं है। अवन्तिका विकास समिति नैनी के पदाधिकारियों ने कालोनी की आबादी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम एवं जलकल विभाग द्वारा कैम्प कार्यालय खोले जाने की मांग की है। समिति के संयुक्त मंत्री सुभाष चन्द्र का कहना है कि यदि जगह -जगह शराब की दुकानें खुल सकती है तो जनहित में कैम्प कार्यालय क्यों नहीं खुल सकते जो सरकारी बिलों की बसूली के साथ ही जनसमस्याओं के समाधान में भी सहायक होगा।

परीक्षा केंद्र को डिबार किए जाने से छात्रों में रोष विश्वविद्यालय के कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

- 5 से 10 किमी0 की परिधि में ही परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जाने का है प्रावधान
- विश्विद्यालय की हैरत भरे फैसले से अभिभावकों में रोष

अखंड भारत संदेश

कौंधियारा के जय नारायण पीजी कॉलेज सेहरा के बाहर केंद्र बदले जाने के बाद नाराज खड़े छात्र-छात्राएं

प्रयागराज। विभागीय अधिकारियों की मनमानी का खामियाजा छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय ने सामूहिक नकल मिलने पर कौंधियारा के एक परीक्षा केंद्र को सचल दस्तों की संस्तुति पर बुधवार को निरस्त कर दिया था। महाविद्यालय पर बी ए एवं बीएससी कोर्स की परीक्षाओं में सामूहिक नकल करने का आरोप है। डिबार के बाद से ही छात्राओं व अभिभावकों में ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है।

प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाएं चल रही हैं। शुक्रवार को एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कौंधियारा क्षेत्र में एकमात्र बने परीक्षा केंद्र जय नारायण स्मारक डिग्री कॉलेज सेहरा कॉलेज प्रशासन व वहां के परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि केंद्र को बिना किसी अनियमियता के ही डिबार कर दिया । यहां तक कि निर्धारित केंद्र को बदलकर 20 किमी दूर यूनाइटेड इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट को रातों रात केंद्र बना दिया। जिसके लिए जिला स्तरीय अधिकारियों ने जमकर मनमानी की है।

छात्रों का आरोप है कि मानक विरुद्ध तरीके से 20-25 किमी दूर बना दिए गए हैं।जबकि राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध, सहयुक्त एवं संघटक महाविद्यालयों से यथासंभव 5 से 10 किमी0 की परिधि में आने वाले महाविद्यालयों में परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जाने का प्रावधान है। साथ ही छात्राओं के लिये स्व-केन्द्र प्रणाली की व्यवस्था है।

परीक्षाओं के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में छात्राओं को, यदि उनका महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र बनाया गया है तो उन्हें अपने ही महाविद्यालय में परीक्षा देने का प्रावधान है। जहां स्वकेंद्र की सुविधा नहीं होगी, वहां उन्हें अधिकतम 05 कि०मी० की परिधि के केन्द्र पर परीक्षा देने की सुविधा देने की बात कही गई है। छात्राओं के लिए 05 किलोमीटर से अधिक दूरी पर केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए।

महाविद्यालय के केंद्राध्यक्ष भृगु श्रीवास्तव का कहना है कि महाविद्यालय में परीक्षा के दौरान उड़ाका दल को कोई अनियमितता नहीं मिली थी। फिर भी पता नहीं क्यों केंद्र को डिबार कर दिया गया।

केंद्र के बाहर खड़े अभिभावकों का कहना है कि विश्विद्यालय की इस मनमानी से कालेज की सैकड़ो छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालेज को परीक्षा केंद्र हटाकर 20 किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र बनाने से छात्राओं व उनके अभिभावकों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। उनके जेहन में सिर्फ एक ही सवाल है कि भीषण गर्मी में सारा काम छोड़ कैसे परीक्षा दिलाया जाए। अगर केंद्र बनाना ही था तो पाँच किलोमीटर की परिधि में किसी भी महाविद्यालय को केंद्र बनाया जा सकता था।

गौरतलब हो कि विश्वविद्यालय की द्वितीय सत्र की परीक्षाएं प्रातः 11 बजे से 1 बजे के मध्य जबकि तृतीय सत्र की परीक्षाएं दोपहर 2:30 से 4:30 के मध्य कराई जानी है। इस चिलचिलाती धूप में यदि छात्रों को गर्मी के कारण कोई भी शारीरिक नुकसान होगा,तो इसकी भरपाई कौन करेगा।

विश्वविद्यालय को छात्रों की आवागमन से कोई फर्क नहीं पड़ता। जैसे छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु दूर स्थित केंद्रों पर परीक्षा देने जाते हैं, वैसे ही परीक्षार्थी संशोधित परीक्षा केंद्र तक जा सकते हैं। छात्रों को केंद्र तक पहुँचाने की जिम्मेदारी महाविद्यालय की है।

-वॉइस चांसलर प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय - डॉ अखिलेश सिंह।

शराब पीकर गालियां देने जान से मारने की धमकी देने की तहरीर दी गयी है

मऊआइमा । मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जाम्हा खास निवासी श्याम सुन्दर पुत्र तुलसी राम का आरोप है कि उसका जमीनी विवाद एक परिवार से चल रहा है। श्याम सुन्दर का आरोप है कि गांव का उसके विपक्षी का एक युवक रात में शराब पीकर गालियां देता है और जान से मारने की धमकी देते हुए फेसबुक पर गंदी गंदी बातें लिख कर वायरल कर रहा है। श्याम सुन्दर ने मऊआइमा थाने में एक युवक के खिलाफ मऊआइमा थाने में तहरीर दी है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी पर सोते समय चापड़ से हमला करने के आरोप में दो नामजद

सगे भाई और भतीजे पर दर्ज कराया गया मुकदमा

मऊआइमा। चौदह मई को मऊआइमा के ग्राम पिलखुखां निवासी टेलीफोन विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी राम सजीवन पर रात के समय जमीनी रंजिश को लेकर चापड से हमला बोल दिया गया। जिससे राम सजीवन 65 वर्ष बुरी तरह जख़्मी हो गए थे। जख़्मी के पुत्र विवेक कुमार ने घायल रामसजीवन के सगे भाई राम सिंह और सगे भतीजे अनुपम पटेल तथा दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की जांच कर रही है।

मायके में मिली युवती की लाश, जौनपुर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी से हुई थी शादी

अखंड भारत संदेश

मृतका की फाइल फोटो

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में एक 21 वर्षीय नवविवाहिता रिया दुबे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रिया के पिता चंद्रकांत दुबे ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है।रिया की शादी 7 मार्च 2025 को जौनपुर के मुगरा बादशाहपुर के लौंहे गांव निवासी अमन त्रिपाठी से हुई थी। शादी के बाद वह 15 दिन जौनपुर में रही। इसके बाद ससुराल वाले उसे गोवा ले गए। पिता का आरोप है कि सौतेली सास रंजना त्रिपाठी ने रिया के सारे गहने अपने पास रख लिए और अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगी।कुछ समय बाद रिया को मुंबई भेज दिया गया। 14 अप्रैल को वह मायके आई। घटना से पांच दिन पहले उसके पति ने सौतेली मां के कहने पर रिया का नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया। पति से बात न हो पाने के कारण वह परेशान रहने लगी।

घटना वाले दिन सुबह 9:30 बजे जब परिवार के सदस्य कमरे में गए, तो रिया दुपट्टे के फंदे से पंखे पर लटकी मिली। हंडिया इंस्पेक्टर नितेंद्र शुक्ला के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तरफ से अभी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और शिकायत मिलने के बाद जांच की जाएगी।

माफिया अशरफ की पत्नी जैनब की याचिका पर सुनवाई

हाईकोर्ट पहुंची जैनब ने गैर जमानती वारंट और संपत्ति कुर्क करने का आदेश चुनौती दी है

प्रयागराज। आईएस-227 गैंग के सरगना रहे माफिया अतीक अहमद छोटे भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। जैनब ने निचली अदालत के उस आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया है। जिसमें उमेश पाल हत्याकांड में गैर हाजिर रहने पर गैर जमानती वारंट और संपत्ति कुर्क करने का आदेश पारित किया गया है।जैनब के साथ ही माफिया अतीक अहमद के बहनाई अखलाक अहमद ने भी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, गुड्डू मुस्लिम और तीन अन्य के खिलाफ प्रयागराज के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) ने उक्त मामले में अदालत में गैर हाजिर रहने पर कुर्की का आदेश पारित किया है।

सीआरपीसी की धारा 82 के तहत अदालत किसी व्यक्ति को उसके समक्ष पेश होने के लिए उद्घोषणा जारी कर सकती है। अगर उसके पास यह मानने के कारण हों कि अभियुक्त फरार है या अदालत से बचने के लिए खुद को छिपा रहा है। धारा 83 न्यायालय को व्यक्ति की संपत्ति कुर्क करने की अनुमति देती है। हालांकि यह मामला न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध था, लेकिन शुक्रवार को इस पर सुनवाई नहीं हुई। अहमद बंधुओं को अप्रैल 2023 में यहां पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय लाइव टेलीविजन पर तीन लोगों ने गोली मार दी थी।

जमीनी विवाद में दबंगो ने मार कर तीन महिला समेत पांच को किया घायल

अखंड भारत संदेश

दबंगो द्वारा पिटाई से घायल लोग

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र सोनौटी गांव में दबंगों ने जमीनी विवाद में एक परिवार की तीन महिला समेत पांच लोगों को लाठी, डंडे से मार कर लहुलहान कर दिया। जिसमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज कर सभी घायलों का मेडिकल कराया।

सोनौटी के राम सूरत भारतीया का गांव के ही कृपाल यादव यादव से जमीन का विवाद चल रहा है। राम मूरत ने बताया कि शुक्रवार को कृपाल यादव अपने बेटों व परिवार के आधा दर्जन लोगों के साथ हाथ में लाठी, डंडा, सरिया व धारदार हथियार लिए हमारे घर पर चढ़ आए और मारपीट करने लगे बीच बचाव करने आई हमारी पत्नी कंचन देवी, बेटी ऋतु, भाई राम मूरत उनकी पत्नी मनीता को भी मार कर घायल कर दिया। जिसमे कंचन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने राम सूरत की तहरीर पर कृपाल यादव व उसके बेटे खद्दू, राजकुमार, लोढ़ई, राजेश व अनन्त, अभिषेक के खिलाफ एससीएसटी सहित संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है।

औता सड़क हादसा : पिता और पुत्री को टक्कर मारने वाले ऑटो व उसके चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मेजा। बीते तीन दिन पूर्व औता के नारायण महाविद्यालय के समीप हुए सड़क हादसे में मेजा थाने के हल्का प्रभारी रामविलास सिंह की सक्रियता से 36 घंटे के अंदर टैंपो वाहन को बरामद करते हुए वाहन चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि मेजा थाना क्षेत्र के औता स्थित नारायण महाविद्यालय के समीप हुए इस हृदय विदारक घटना में बेटी की परीक्षा दिलवाने जा रहे प्रकाश नारायण गुप्ता और उनकी पुत्री सुरभि गुप्ता की अज्ञात टैंपो की टक्कर से मौत हो गई थी। हादसे के बाद मौका पाकर टैंपो चालक टेम्पो सहित फरार हो गया था। जिसके बाद मौके पर पहुंची मेजा पुलिस पूरी सक्रियता से जांच की कार्यवाही में जुट गई थी और घटना के महज 36 घंटे के अंदर ही थाने के उपनिरीक्षक रामविलास सिंह ने अपनी टीम के साथ पिता और पुत्री को मौत के घाट उतारने वाले टैंपो एवं उसके चालक राजेश कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर करते हुए टैंपो को बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार ऑटो चालक राजेश कुमार गुप्ता रामनगर बाजार में सोनपापड़ी का कारोबारी है डिघिया बाजार से माल देकर वापस रामनगर आ रहा था कि इसी दौरान यह हादसा हो गया था। ऑटो चालक हादसे के बाद अपनी ऑटो ले जाकर दुकान में खड़ी कर दिया था लेकिन मेजा पुलिस बाजारों में लगे सीसी कैमरों की मदद से बरामद करने ने बड़ी सफलता हासिल किया है।

मानपुर गांव में जल्द बनेगा जन्म स्थल पर बेनी माधव सिंह का शहीद स्मारक, पहल शुरू

वरिष्ठ समाज सेवी गुलाब सिंह ग्रामीण की बीस वर्ष की पहल से रंगत लाई

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के मानपुर गांव का बहुत बड़ा देश के प्रति अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई में योगदान रहा।भारत छोड़ो आंदोलन तक इस गांव के वीर सपूतों ने बलिदान दिया है।इन बीरो का इतिहास असहयोग आंदोलन से लेकर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजाद हिंद फौज में रहकर काला पानी की सजा काटी है। इन वीरों की जितना भी गाथा गाया जाय कम है।अपनी जान को न्योछावर करने वाले वीर सपूत बेनी माधव सिंह का स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है।1921 में असहयोग आंदोलन गांधी जी के नेतृत्व में शुरू हुआ अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई मानपुर निवासी बेनी माधव सिंह को 1922 में इलाहाबाद के मलाका जेल में अंग्रेजों ने बन्द कर दिया।कुछ दिन के बाद उनको आगरा जेल भेज दिया। जेल के अंदर भी आक्रामक स्वभाव की वजह से अंग्रेजों के आंख की हमेशा किर किरी बने रहते थे।आखिर में 1932 में आगरा के जेल में उनको जहर देकर मार दिया।

ऐसे देश भक्त की जन्मस्थली पर किसी सरकार ने शहीद स्मारक आज तक नही बनवाई। गांव के लोग काफी प्रयास भी किए लेकिन नतीजा जस का तस रहा। गांव के वरिष्ठ समाज सेवी गुलाब सिंह ग्रामीण ने बीस वर्ष से लगातार सरकार से लेकर मंत्रालय तक जेल से इतिहास मंगवाकर जन्मस्थली पर स्मारक बनाने की बुलंद आवाज समय समय पर उठाते रहे।कई बार आगरा जेल जाकर खुद उनकी फोटो की पहचान करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटक मंत्रालय को प्रस्तुत किए। इनकी मेहनत रंगत लाई मौजूदा सरकार ने इस पर गम्भीरता से पहल शुरू कर दिया। ब्लाक जसरा के खण्ड विकास अधिकारी अनीस अहमद जन्मस्थली पहुँचकर जमीनी हकीकत से लेकर शहीद स्मारक की जगह देखी। आपसी सहमति जहाँ बनेगी जिले से लेकर एस डी एम बारा की राजस्व सहित टीम जल्द शहीद स्मारक बनाने की जगह चिन्हित करेगी।

शादी में आए व्यक्ति को मार पीट कर किया जख्मी मुकदमा दर्ज

मऊआइमा । शादी में आए व्यक्ति को पुरानी अदावत को लेकर मार पीट कर अधमरा कर दिए। पुलिस ने चार नामजद दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। होलागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम परसुपुरनारी निवासी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र शिवचरण का कहना है कि वह मऊआइमा के ग्राम मानी उमरपुर में रामतीरथ गौतम के यहां दावत में आया था। धर्मेन्द्र कुमार का आरोप है कि कतिपय लोगों द्वारा लाठी डंडा लेकर उसके ऊपर हमला बोल दिए तथा हाथ तोड कर शरीर के अनेकों भाग में चोट पहुंचाए। । लोगों के बीच बचाव किए जख़्मी धर्मेन्द्र कुमार ने मऊआइमा थाने में दीपक कुमार, विकास कुमार,बच्चू, धीरेन्द्र कुमार तथा दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

प्रयागराज में गूंजे किसानों के स्वर : आठ सूत्रीय मांगों को लेकर प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय किसान संगठन की मासिक पंचायत गुरुवार को प्रयागराज के बमरौली स्थित पूरा पजाया गांव में आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में किसानों, श्रमिकों और स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। पंचायत में क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं पर खुलकर चर्चा हुई और अंत में आठ सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा गया।

भूमि अभिलेख के स्थानांतरण की उठी मांग बैठक में सर्वप्रथम बमरौली कछार की कृषि भूमि का मुद्दा उठा, जिसका रिकॉर्ड अब भी निजार्पुर में दर्ज है। किसानों ने इस पर आपत्ति जताते हुए मांग की कि भूमि अभिलेखों को प्रयागराज स्थानांतरित किया जाए, ताकि किसानों को भूमि संबंधी कार्यों में सुविधा मिल सके।

पशु चोरी और गौशाला की दुर्दशा पर नाराजगी पंचायत में ग्रामीणों ने पूरा पजाया गांव में लगातार हो रही मवेशियों की चोरी की घटनाओं को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चोर गिरोह सक्रिय हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। वहीं, बमरौली में संचालित गौशाला को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। ग्रामीणों का आरोप था कि गौशाला में एक भी पशु नहीं है जबकि सरकारी बजट का दुरुपयोग हो रहा है।

नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल

पंचायत में नगर निगम की सफाई व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे। लोगों ने बताया कि नियमित सफाई न होने से गांवों में गंदगी और बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

श्रमिक कार्ड योजना में अनियमितता

श्रमिक कार्ड योजना के लाभ वितरण में गड़बड़ी का मुद्दा भी पंचायत में उठा। किसानों का कहना था कि योजना का लाभ सही पात्रों को नहीं मिल रहा और बिचौलियों द्वारा कार्ड बनवाने में धांधली की जा रही है।

प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही ग्रामीणों ने मीरामही नगर निगम कार्यालय पर जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र समय से न जारी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र बनवाने के लिए महीनों चक्कर लगाने पड़ते हैं।

बीएलओ नियुक्ति पर आपत्ति

पंचायत में अस्थायी बीएलओ की नियुक्ति पर भी नाराजगी जताई गई। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गरीब मजदूर वर्ग के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है, क्योंकि विद्यालयों में निगरानी और नामांकन प्रक्रिया बाधित हो रही है।

शराबियों की बढ़ती दहशत

पूरा पजाया, बाकराबाद और बमरौली गांवों में शराब के नशे में झगड़े करने वालों की संख्या बढ़ रही है। पंचायत में ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे लोगों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए ताकि गांवों में शांति व्यवस्था बनी रहे।

प्रशासन को चेतावनी

पंचायत के अंत में किसान संगठन ने इन सभी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

सेना ने दम झोंका है आतंकबाद को ठोंका है चुन-चुन के मारा है बदला अब उतारा है

आपरेशन सिंदूर की सफलता के मद्देनजर नगर पंचायत सिरसा में सेना के शौर्य एवं पराक्रम को सैल्यूट करने हेतु लोगों द्वारा निकली गई तिरंगा यात्रा मे भारत माता की जयघोष से गूंजा संपूर्ण सिरसा नगर

अखंड भारत संदेश

तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपाई

मेजा। प्रयागराज के यमुनापार में आपरेशन सिन्दूर के सफलता के बाद शुक्रवार को नगर पंचायत सिरसा में सेना के शौर्य और पराक्रम को सैल्यूट करने हेतु तिरंगा यात्रा निकालकर देश की सेना के पराक्रम और शौर्य को वंदन अभिनंदन करते हुए लोगों ने आभार व्यक्त किया है। इस दौरान भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा देश की सेना के जांबाजी को सलाम जो पाकिस्तान के सभी वार को विफल कर दिया। इसी क्रम में पूर्व अपर महाधिवक्ता उत्तर प्रदेश नीरज त्रिपाठी ने कहा सेना ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देकर पहगाम आतंकी हमले का बदला पूरा किया है। करछना विधायक पियूष रंजन निषाद ने कहा सेना ने बार-बार देश का सर गर्व से ऊंचा किया है। विधायक कोरांव राजमणि कोल ने कहा सेना है तो सुकून है। सेना का गौरव गान जन-जन में हो रहा है। तिरंगा यात्रा के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा श्रीनाथ मंदिर से शुभारंभ होकर अमिलहवा चौराहे पर समापन हुआ। तिरंगा यात्रा मे आम नागरिकों के साथ साथ पूर्व सैनिक व समाज के सभी तबके के लोग मौजूद रहकर नारा लगाया सेना ने दम झोंका है, आतंकबाद को ठोंका है। चुन-चुन करके मारा है,बदला अब उतारा है। विश्व को बस एक संदेश, पाकिस्तान आतंकी देश भारत माता की जय, वंदेमातरम्, के जयकारों से पूरा कस्बा गुंजायमान रहा। इस दौरान पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे भी लगाए गए। इस मौके पर पूर्व सैनिक संतोष सिंह, विभवनाथ भारती, विनोद प्रजापति, योगेश शुक्ला, विपिन केशरी लखन, इन्द्रनाथ मिश्र, कमलेश दुबे, आकांक्षा सोनकर, संतोष त्रिपाठी, सुभाष सिंह पटेल, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, मुकेश कोल, अमरेश तिवारी, राना सेठ, बीएन प्रसाद, आरके सिंह, सतीश विश्वकर्मा, मिथिलेश पांडेय तथा आनन्द तिवारी आदि के अलावा सैकड़ों अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पुलिस और प्रशासन के नाक नीचे खनन माफिया कर रहे हैं अवैध मिट्टी खनन का कारोबार

प्रदेश सरकार द्वारा रोक लगाने के बाद भी बेखौफ हो तालाबों में जेसीबी लगाकर बड़े पैमाने पर कर रहे हैं अवैध मिट्टी खनन कार्य खुलेआम उड़ाई जा रही है शासन के आदेशों की धज्जियां

अखंड भारत संदेश

मेजा। क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का खनन इन दिनों जोरों पर चल रहा है। यह सब कुछ पुलिस व प्रशासन के नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन प्रशासनिक अमला मूक दर्शक बना हुआ है। कार्यवाही के अभाव में जहां खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं वहीं जेसीबी व ट्रैक्टर लगा कर बेखौफ शासन के दिशा निदेशों की धज्जियां उड़ा रहे है। जबकि शासन ने पूरे प्रदेश में अवैध रुप से हो रहे खनन पर रोक लगाई हुई है। खनन के लिए शासन से आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रशासनिक अमले को दी गई है। इसके बाद भी मेजा तहसील क्षेत्र में पुलिस व तहसील प्रशासन के साठ गांठ व मिली भगत के चलते मिट्टी खनन का कार्य बे रोक-टोक चल रहा है। खनन माफिया खुलेआम जेसीबी से ट्रैक्टर-ट्राली पर मिट्टी लाद कर क्रय विक्रय कर रहे है। इस संबंध में कुछ लोगों ने नाम को गोपनीय रखने कि बात कहकर पूछताछ में बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी तालाबों से प्रधान की अनुमति से मिट्टी क्रय विक्रय हो रही है। प्रधान कुछ ट्रॉली मिट्टी गांव के विकास के काम में लेते है उसके बाद क्रय विक्रय का काम शुरू होता है। जबकि शासन की तरफ से तालाबों को खोदवाने का प्रावधान नरेगा मजदूरों का है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है। इलाके के कुछ ट्रैक्टर ड्राइवर ने भी नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि जेसीबी मशीनों के मालिक पहले से ही संबंधित थाने या पुलिस चौकी पर सेटिंग कर लेते हैं। बता दें कि इस गोरख धंधे में प्रशाशन की भी संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस एवं प्रशासन के लोग जानते हुए भी अनदेखी करते हैं।इतना ही नहीं अवैध रूप से खनन के बाद ट्रैक्टर पर लदी मिट्टियां लेकर रोड पर चलने वाले ट्रैक्टर चालकों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि आए दिन आम लोग हादसे का शिकार भी होते है। सबसे मजे की बात ये है कि ज्यादातर ट्रैक्टर ड्राइवर नाबालिक रहते हैं।इसके बाद भी इन अवैध खनन के कारोबार में लगे माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

जिलाधिकारी ने की राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा

● बड़े बकायेदारों से वसूली के लिये एनाउन्समेन्ट कराया जाये : जिलाधिकारी

● मण्डी सचिव के अनुपस्थित मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी जिसमें प्रगति ठीक पायी गयी। बैठक में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी अनुपस्थित मिले, उनके द्वारा अपने अधीनस्थ को भेजा गया था जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुये और अधीनस्थ को बैठक से बाहर जाने को कहा और निर्देशित किया गया कि डीएफओ के पूर्व की बैठको में न आने और कार्यो में लापरवाही बरतने पर जितनी भी नोटिस जारी की गयी है उन सबका उल्लेख करते हुये विभागीय कार्यवाही के लिये पत्र प्रेषित किया जाये। बैठक में मण्डी सचिव के अनुपस्थित मिले जिस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि 10 बड़े बकायेदारों से वसूली की जाये और 5 लाख से ऊपर के बड़े बकायेदारों से तहसीलदार द्वारा वसूली की जाये। बड़े बकायेदारों से वसूली के लिये एनाउन्समेन्ट कराया जाये, बैनर-पोस्टर आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराया जाये जिससे बड़े बकायेदार धनराशि जमा कर सके। इसी प्रकार डीएम ने आर0सी0 वसूली, आवास आवंटन, कुम्हारी कला आवंटन, एन्टी भूमाफिया, दैवीय आपदा, कोर्ट केश आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली और उपजिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जो भी शिकायतें आये तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को भेजा जाये जिससे समय रहते ज्यादा से ज्यादा शिकायतों का निस्तारण किया जा सके। उन्होने कहा कि स्थानान्तरण नीति जारी हो गयी है निमयानुसार पटल सहायकों का स्थानान्तरण किया जाये। प्रशासनिक और शिकायत तथा कार्यो में लापरवाही बरतने वाले पटल सहायकों का स्थानान्तरण किया जाये। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी, समस्त उपजिलाधिकारी सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ समीक्षा करते जिलाधिकारी

80 रुपये बकाया होने पर भाई बहन को पीटा

पट्टी। दुकान पर अस्सी रुपये बकाया होने पर भाई-बहन को मारपीटकर घायल कर दिया गया। मामले में महिला ने आसपुर देवसरा थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ऊदईशाहपुर गांव निवासी गीता शर्मा ने शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि उनका पुत्र आकाश शर्मा 14 वर्ष पुत्र लाल बहादुर शर्मा शुक्रवार की सुबह 7 बजे अपने घर से साइकिल से पहलमापुर गांव दूध की डेरी पर दूध लेकर जा रहा था। अमरगढ़ बाजार में गैस एजेंसी के पास एक युवक पान की दुकान चलाता हैं। गीता शर्मा के पति ने पान की दुकान पर 80 रुपये का उधार कर रखा हैं। आकाश को देख कर दुकानदार साइकिल रोक कर उससे अपना बकाया मांगने लगा। जब उसने रुपये नहीं दिया तो गुस्सा में आकर दुकानदार ने युवक की पिटाई कर दी। हल्ला गुहार सुनकर बीच बचाव करने पहुंचे पीड़ित की बहन रोशनी शर्मा को भी दुकानदार ने पीट दिया। महिला ने इसकी शिकायत करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

न्यूज झरोखा

बुजुर्ग को पीटकर किया घायल, मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। उलाहना देने गए बुजुर्ग को आरोपित ने मारपीट कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के वैध पट्टी निवासी कन्हैया लाल यादव (51) के नाती अंकित यादव (12) मई को दूबे पट्टी गांव में निमंत्रण खाने गया था।आरोप है कि इस दौरान रास्ते में पड़ोस के विकास यादव ने गाली गलौज देते हुए उसे मारा पीटा।इस बात का उलाहना देने गए पीड़ित बुजुर्ग को भी आरोपित ने मारपीट कर घायल कर दिया। हल्ला गुहार पर आस पास के लोग पहुंचे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित बुजुर्ग की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष दिलीपपुर शत्रुघन वर्मा ने बताया कि कन्हैयालाल की तहरीर पर विकास यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है।

अचानक खुला बोलेरो का गेट, किशोरी घायल

पट्टी। 15 वर्षीय किशोरी अचानक बोलेरो का गेट खुलने से नीचे गिरकर घायल हो गई। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर सीएचसी पट्टी गए। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद किशोरी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कालेज प्रतापगढ के लिए रेफर कर दिया गया। पट्टी कोतवाली के कंजा सराय गुलामी गांव निवासी अंसिका पुत्री सरफराज अपनी दादी साकिरा बेगम के साथ कलकत्ता से वापस अपने घर आ रही थी। वह ट्रेन द्वारा प्रतापगढ स्टेशन आई और वहां से बोलेरो के द्वारा दीवानगंज के रास्ते अपने घर को जा रही थी। जब वह बाहूपुर गांव के पास पहुंची थी कि अचानक बोलेरो का गेट खुल गया और अंसिका बोलेरो से नीच गिर पडी और उसे गंभीर चोट आई। परिजन उसे किशोरी को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी लेकर आए। जहां पर चिकित्सकों ने उसका उपचार किया, लेकिन जब उसकी हालत में कोई सुधार नही हुआ तो डाक्टरो ने उसे मेडिकल कालेज प्रतापगढ के लिए रेफर कर दिया।

दुष्कर्म का आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज। दुष्कर्म तथा पास्को एक्ट के मुकदमे मे वांछित आरोपी को लालगंज पुलिस ने दबोचकर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक अपराध विजयकांत सत्यार्थी शनिवार की सुबह फोर्स के साथ चेकिंग अभियान में निकले थे। लालगंज कोतवाली के एक गांव में पीडिता ने अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण व दुष्कर्म को लेकर दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। नेशनल हाइवे के वर्मा नगर चैराहे के समीप पुलिस को आरोपी मेढ़ावां गांव का निखिल सिंह पुत्र रमाशंकर सिंह दिख गया। आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। फोर्स ने दौड़ाकर उसे दबोच लिया। दोपहर बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

आटो पलटने से महिला अधिवक्ता समेत कई चुटहिल, रेफर

लालगंज। नेशनल हाइवे लालगंज प्रतापगढ़ पर हण्डौर के समीप आटो के पलटने से महिला अधिवक्ता समेत कई गंभीर रूप से चुटहिल हो गये। दुर्घटना की जानकारी होने पर तहसील से बड़ी संख्या में साथी अधिवक्ता लालगंज ट्रामा सेण्टर पहुंच गये। गंभीर रूप से घायलो को प्रारंभिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। शुक्रवार की सुबह लालगंज से प्रतापगढ़ आटो जा रहा था। हण्डौर के समीप अचानक वह अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में आटो सवार लालगंज कोतवाली के खैरा पूरे छेमी निवासी महिला अधिवक्ता राजकुमारी पटेल 35 पत्नी संतोष पटेल, लीलापुर थाना के हरिहरपुर कैलहा निवासी रामसुख वर्मा की पत्नी उर्मिला 46, सांगीपुर थाना के हुसैनपुर निवासी उमराव खान के पुत्र नब्बन खान 65 व अशोक 38 पुत्र राजकुमार तथा इकबाल 45 को भी चोटें आ गयीं। घायलों को प्रारंभिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायल महिला अधिवक्ता राजकुमारी के पति संतोष पटेल लालगंज तहसील में प्रैक्टिस करते हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश समेत बडी संख्या में वकीलों का भी ट्रामा सेंटर में जमावड़ा दिखा।

मारपीट व धमकी को लेकर आरोपी के खिलाफ केस

प्रतापगढ़। जमीनी विवाद को लेकर पीडित की पिटाई को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शुक्लन इटैला निवासी बेनीलाल शुक्ल पुत्र राजाराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती चैदह मई को रात आठ बजे वह शौच से घर वापस आ रहे थे। जमीनी विवाद को लेकर आरोपी गांव के प्रवीण पुत्र सुंदरलाल ने गालीगलौज शुरू किया। मना करने पर आरोपी ने मारपीट कर चुटहिल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते चला गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुरूवार की रात केस दर्ज किया है।

पांच जिला बदर व दो का शस्त्र लाइसेंस निरस्त

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के जिन व्यक्तियों के आस-पास के क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है ऐसे 05 व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होने थाना देल्हूपुर ग्राम तौकलपुर के 03 गुण्डों क्रमशः गुफरान पुत्र आसिर उर्फ असीर उर्फ यासिर, सलमान पुत्र आसिर उर्फ असीर उर्फ यासिर व इमरान पुत्र आसिर उर्फ असीर उर्फ यासिर, थाना नवाबगंज ग्राम आलापुर के यश सोनकर उर्फ यश छाबड़ा पुत्र विजय सोनकर तथा थाना कोहड़ौर ग्राम उसका के कृष्ण चन्द्र वर्मा उर्फ कृष्णा पटेल पुत्र दूधनाथ पटेल को जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है।इसके अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद प्रतापगढ़ के शस्त्र लाइसेंसी जो आपराधिक क्रिया-कलाप में लिप्त होने एवं शस्त्र अनुज्ञा-पत्र की शर्तो का उल्लंघन करने के दोषी पाये गये 02 व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट ने थाना कोतवाली पट्टीध्टीजीएस के वर्तमान पता-17 होस्टिंग रोड अशोक नगर थाना कैण्ट प्रयागराज के अम्बुज शुक्ल पुत्र डीपी शुक्ला के शस्त्र एनपी बोर राइफल तथा थाना अन्तू ग्राम उमरी के बृजेश कुमार शुक्ला पुत्र लालता प्रसाद के शस्त्र एसबीबीएल को निरस्त कर दिया है।

बीडीओ के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले शिक्षामित्र

पट्टी। खंड विकास अधिकारी पट्टी राजीव पांडेय ने शुक्रवार को कंपोजिट विद्यालय सारडीह का निरीक्षण किया। बीडीओ के निरीक्षण के दौरान दो शिक्षामित्र उपस्थित मिले। बीडीओ ने बताया कि विद्यालय में बच्चे ड्रेस में उपस्थित नहीं थे। पंजीकृत 227 छात्रों में मात्र 39 ही उपस्थिति मिले। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी जाहिर की। निरीक्षण के दौरान शिक्षामित्र उपेंद्र प्रताप सिंह व खुशबू गुप्ता अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने तत्काल प्रभाव से दोनों शिक्षामित्रों से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से ड्रेस में स्कूल आने, मेन्यू के अनुसार भोजन बनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल के संचालन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। बीडीओ के निरीक्षण से विद्यालय से फरार रहने वाले शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

खाद्य सचल दल ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संग्रहित किये नमूने

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ के आदेश के अनुपालन में ग्रीष्म ऋतु में संक्रामक रोगों के प्रसार के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय उपलब्ध कराने हेतु खाद्य पदार्थ जिसमें ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु में खुले कटे-फटे, सड़े गले एवं कृत्रिम रूप से पकाये गये फलों तथा दूषित खाद्य पदार्थों यथा फलों के जूस, गन्ने का रस कार्बाइड से पकाये गये आम, आइसक्री व आइसकैण्डी आदि के निर्माण व विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु अभिसूना आधारित प्रभावी प्रवर्तन के विशेष अभियान चलाये जाने हेतु दिनांक-15 मई से 20 मई तक निर्देश में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद के विभिन्न बाजारों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुरूप न होने के संदेह पर 05 खाद्य पदार्थों के नमूने को संग्रहित कर विश्लेषण हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला को प्रेषित किये जा रहे है, खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला की जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मानक के अनुरूप नहीं पाये गये नमूनों के विक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कठोर दडात्मक विधिक कार्यवाही की जायेगी। खाद्य सचल द्वारा सोनाही पट्टी स्थित शिव शंकर के खाद्य प्रतिष्ठान से बेसन का एक नमूना, जलेसरगंज लालगंज स्थित शिव प्रसाद काबोर्नेटेड बेवरेज का एक नमूना, मोहनगंज बाजार स्थित मैक्स आइसक्रीम के खाद्य प्रतिष्ठान से आइसक्रीम का एक नमूना एवं टेउंगा स्थित डेयरी आइसक्रीम से आइस कैण्डी का एक नमूना तथा राजापाल टंकी स्थित संदीप जूस एण्ड शेक कार्नर के खाद्य प्रतिष्ठान से मौसम्बी के जूस का एक नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सचलदल में अजय कुमार तिवारी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, रोशन सिंह, संतोष कुमार दुबे, यादव संजय कुमार नन्हकू, विवेक कुमार तिवारी, ऋचा पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नमूने संग्रहित करती टीम

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने रामायण के पात्रों की दी प्रस्तुति

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन रामायण अभिरुचि कार्यशाला के समापन के मौके पर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने रामायण के पात्रों का प्रदर्शन करते हुए शानदार प्रस्तुति दी।इस दौरान बच्चों को प्रमाण पत्र देकर संस्कृत विभाग ने प्रोत्साहित किया।बाबा बेलखरनाथ धाम के मॉडल प्राथमिक विद्यालय पिपरी खालसा में चलाई जा रही 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन रामायण अभिरुचि कार्यशाला का समापन शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय शोध रामायण वैदिक शोध संस्थान के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन जिला संयोजिका मीनाक्षी पांडे द्वारा किया गया।मुख्य प्रशिक्षक लक्ष्मी मिश्रा ने कहा कि आज के युग में रामायण बहुत ही महत्वपूर्ण विषय बन चुका है जिसके माध्यम से नन्हे मुन्ने बच्चों में विकास की आभा दिखाई पड़ती है। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने रामायण की मुख्य पात्रों की सज्जा एवं और क्राफ्ट कार्यशाला का प्रदर्शन किया,तथा सरस्वती वंदना, गणेश वंदना के अलावा अविरल मिश्रा, शिवांश मिश्रा ने श्लोक व अभिनव मिश्रा, निखिल तथा देवांश का वेद ज्ञान तथा मुस्कान प्रजापति का संस्कृत कार्यक्रम मुख्य रहा । कार्यक्रम के समापन के पश्चात बच्चों को अंतरराष्ट्रीय शोध रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के बाबा बेलखरनाथ धाम के अध्यक्ष अजीत कुमार, प्रभात मिश्रा, रामराज पाल, रश्मि मिश्रा, विनोद त्रिपाठी, सौरभ, नीतू ,वंदना, आशुतोष के अलावा प्रधानाध्यापिका प्रीति मिश्रा, सुभाष चंद्र मिश्रा, फरहान अहमद,पूजा चैरसिया, यशवंत कुमार, पंकज मिश्रा आदि मौजूद रहे ।

रामायण के पात्रों की वेष भूषा धारण किये बच्चे

जानलेवा हमले में तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

लालगंज। महिला को बंधक बनाकर मारने पीटने की घटना को लेकर सांगीपुर पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के हरमा का पुरवा थरिया गांव की अनीता वर्मा पत्नी कृष्णा वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि तेरह मई की रात करीब एक बजे गांव के विजय वर्मा पुत्र राजकुमार वर्मा व विजय वर्मा की पत्नी मूर्ति देवी तथा पुत्र निखिल दरवाजे पर आकर गालीगलौज करने लगे। पीडिता का आरोप है कि गालीगलौज का विरोध करने पर आरोपियो ने बंधक बनाकर मारापीटा। आरोपीगण बेहोशी की हालत मे पीड़िता को छोडकर भाग गये। एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कार्यक्रम आयोजित कर कलमकारों का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। तहसील क्षेत्र के कलमकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र व कलम दी गई तथा बांटी चोखा का भी आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों लोग मौजूद रहे। पट्टी तहसील क्षेत्र के पृथ्वीगंज बाजार में व्हाट्सएप ग्रुप बी पट्टी दुरंतो सुपर फास्ट द्वारा एक कार्यक्रम बृहस्पतिवार को आयोजित किया गया। जिसमें तहसील क्षेत्र के कलमकारों व सम्मानित लोग मौजूद रहे।ग्रुप एडमिन अनूप कुमार ओझा एवं रविशंकर तिवारी (डब्बू) ने क्षेत्र के पत्रकारों के सम्मान समारोह में बाटी चोखा का भी आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश आर पांडे की अध्यक्षता में ग्रुप एडमिन अनूप ओझा ने पत्रकारों को कलम और सनातन का प्रतीक राम नामी पट्टा देकर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार विनोद तिवारी, रवींद्र मिश्रा,रोहित जायसवाल, संजय पांडे,अंकित पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, पीयूष सिंह अंकित पाठक, सुरेंद्र पाण्डेय, मानवेंद्र सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा अम्बरीष ओझा, अखिलेश ओझा, मनीष मिश्रा, दीपक मिश्रा, शिवकुमार पांडे, संतोष पांडेय, सुभाष मिश्रा, विमल पांडे, विवेक मिश्रा सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कलमकारों को अंगवस्त्रम व पेन से सम्मानित करते हुए

भगवान ही हितैषी और मंगलप्रदाता : आचार्य देवव्रत

शिवबोझ में हो रही भागवत कथा को सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर के समीप शिवबोझ में हो रही श्रीमदभागवत कथा के विश्राम दिवस पर सुदामा प्रसंग सुनकर भक्त भावविभोर हो उठे। कथाव्यास देवव्रत जी महराज ने श्रीमदभागवतगीता से जुड़े प्रसंगो का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को द्वारिकाधीश की महिमा का रसपान कराया। उन्होनें कहा कि भगवान से बड़ा संसार में जीव का कोई हितैषी नही है। उन्होने कहा कि सुदामा ने सदैव द्वारिकाधीश के प्रति निश्छल समर्पण का भाव रखा। विपत्तिकाल में भगवान ने सुदामा के प्रति मित्रता की पवित्रता का अनुपम भाव प्रस्तुत किया। उन्होने कहा कि दीनता को ही समृद्धि के मंगल में परिवर्तित करने की क्षमता कृष्ण नाम के जाप में हुआ करती है। आचार्य देवव्रत जी ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का सरस वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं की आस्था के पथ को प्रोत्साहित किया। विश्राम दिवस पर संयोजक पं. मुरलीधर शुक्ल व विनोद शुक्ल एवं डॉ0 राघवेन्द्र शुक्ल ने कथाव्यास आचार्य देवव्रत जी का सारस्वत सम्मान किया। इस मौके पर विकास मिश्र, मोनू पाण्डेय, अम्बिका प्रसाद शुक्ल, शंभूनाथ शुक्ल, अनन्त प्रसाद तिवारी, श्रीकांत शुक्ल, शशिकांत शुक्ल, रामचंद्र शुक्ल, अनूप त्रिपाठी, अरविन्द त्रिपाठी, वीरेन्द्र तिवारी आदि रहे।

श्रीमदभागवत कथा कहते आचार्य देवव्रत जी

दहेज की मांग लेकर विवाहिता को पीटा

पट्टी। ववाहिता ने दहेज की मांग लेकर मारने-पीटने व घर से भगा देने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। अमहरा गांव निवासी आरती पत्नी जयप्रकाश ने शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि 15 मई 2025 को वह अपने ससुराल में थी। बीते गुरुवार की रात लगभग 10 बजे उसका पति उसके साथ गाली गलौज करते हुए पिटाई शुरू कर दी। पति के साथ ही उसके देवर व सास ने भी उसकी पिटाई की और उसे घर से भगा दिया। साथ ही उसके बच्चों को भी अपने यहां रख लिया। महिला ने आरोपित किया है कि इसके पहले भी उसके साथ मारपीट करने के साथ दहेज को लेकर प्रताडित किया जाता था। विवाहिता ने शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम चौपाल में सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

ग्राम चौपाल में लोगों को जागरूक करते हुए

पट्टी। गांव की समस्या गांव में ही दूर करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम पंचायत अंदेवरी में चैपाल का आयोजन हुआ। इसमें ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया गया।

पट्टी विकासखंड की ग्राम पंचायत अंदेवरी में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) विजयराज ने पंचायती राज विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई योजनाएं चला रही है। अब ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर की नकल, जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राम सचिवालय से मिल सकेंगे। इससे उन्हें तहसील या ब्लाक मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विकासखंड स्तर की योजनाओं में पात्रता के अनुसार ग्रामीण जुड़ सकते हैं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान शीला यादव, महेंद्र कुमार, ग्राम पंचायत सचिव राम अनुग्रह लाल, पंचायत सहायक प्रियंका सरोज समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

अज्ञात कार चालक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज

प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से ईरिक्शा चालक के घायल होने की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के सलेम भदारी महंगुआ गांव की काजल वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि एक मई को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उसके पिता प्रमेश वर्मा ने ईरिक्शा से रायपुर तियाई से वापस लौट रहे थे। इसी बीच पीछे से अज्ञात कार ने लापरवाही पूर्वक तीव्र गति से वाहन चलाते हुए ईरिक्शा में टक्कर मार दिया। जिससे उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना को लेकर पुलिस ने गुरूवार की शाम अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

6 तमंचा कारतूस के साथ पुलिस मुठभेड़ में असलहा तस्कर गिरफ्तार

कौशांबी। जिले में शुक्रवार रात एसओजी पुलिस की असलहा तस्कर से मुठभेड़ हो गई है मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6 तमंचा और कारतूस बरामद किया है पुलिस मुठभेड़ में आरोपी को गोली लग गई है पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है और मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान प्रयागराज के वांछित अपराधी के रूप में हुई है, जो पूर्व में गौ-तस्करी के मामले में भी फरार चल रहा था। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात्रि करीब 8 बजे थानाध्यक्ष प्रभारी एसओजी सिद्धार्थ सिंह थाना पिपरी पुलिस टीम के साथ कसेंदा बॉर्डर के समीप अपराधियों की धरपकड़ के सिलसिले में मौजूद थे। इसी दौरान प्रयागराज की ओर से

● गोलियों की गूंज के बीच धराशायी हुआ शातिर हथियार तस्कर, एसओजी ने मुठभेड़ में दबोचा

आ रहा एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार नजर आया। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी दिखाकर उसे रोकने का प्रयास किया, मगर युवक ने रफ्तार बढ़ाकर भागना शुरू कर दिया एसओजी व थाना पिपरी की संयुक्त टीम ने तत्काल पीछा करते हुए पिपरी के पास घेराबंदी की। खुद को पुलिस से घिरता देख आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर बबूल और सरपत के झाड़ों के बीच बनी कच्ची सड़क से भागने लगा। इसी दौरान उसकी बाइक गड्ढे में फिसल गई और वह पैदल भागा। रोकने पर उसने पुलिस टीम पर अवैध तमंचे से तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अबू तालिब पुत्र अबरार निवासी मुबारकपुर, थाना नवाबगंज, जनपद प्रयागराज हाल पता - हटवा, थाना पूरामुफ्ती के रूप में हुई है। उसके पीठ पर बंधे पिट्ठू बैग की तलाशी में 6 अवैध तमंचे, भारी मात्रा में कारतूस मिला है पूछताछ में अबू तालिब ने खुलासा किया कि वह उक्त हथियारों को बेचने के उद्देश्य से ले जा रहा था। उसने यह भी स्वीकार किया कि जनवरी 2025 में वह डीसीएम ट्रक से गौवंश बिहार ले जा रहा था, जिसे चंदौली पुलिस ने पकड़ा था। तब वह मौके से फरार हो गया था और थाना अलीनगर, जनपद चंदौली से वांछित चल रहा है। आरोपी की जमा तलाशी से एक हजार रुपए बरामद हुआ है घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल मंझनपुर भेजा गया। फील्ड यूनिट को सूचित कर आवश्यक साक्ष्य संकलन कराया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रित है और आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बदनपुर घाट में गंगा में डूबा युवक मौत

हर्रायपुर कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बदनपुर गंगा घाट में स्नान करने गए जितेंद्र कुमार यादव उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र लल्लू राम निवासी पैगंबरपुर थाना चरवा शुक्रवार को सुबह बदनपुर घाट गंगास्नान करने के लिए गए थे गंगा नदी में स्नान करने के दौरान वह गंगा नदी में डूब गए हैं काफी प्रयास के बाद उन्हें गंगा नदी से बाहर निकला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी मौत की जानकारी जैसे ही उनके घर परिवार को मिली पूरे परिवार में कोहराम मच गया परिवार के लोग रोते बिलखते घटना स्थल पर पहुंच गए हैं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत तीनों तहसीलों में एक मेगा ऋण कैम्प का आयोजन

कौशाम्बी जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा उ0प्र0 दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का शुभारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री का यह एक अतिमहत्वाकांक्षी योजना है। इनका क्रियान्वयन प्रदेश में मिशन मोड पर किया जा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजनान्तर्गत लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित किये जाने के लिए आज दिनांक 16 मई को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत एक मेगा ऋण कैम्प का आयोजन तीनों तहसील के सभागार में अपरान्ह 2:00 बजे से 5:00 बजे तक किया गया। तहसील मंझनपुर में 154 आवेदक उपस्थित हुये, जिनमें 19 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति कर 19 आवेदकों का ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी। शेष आवेदकों की पत्रावलियों पर अग्रिम कार्यवाही किये जाने के लिए आवेदकों को पूर्ण जानकरी से अवगत कराया गया।इसी प्रकार तहसील सिराथू में 184 आवेदक उपस्थित हुये, जिनमें 22 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति कर 03 आवेदकों को ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी। शेष आवेदकों की पत्रावलियों पर अग्रिम कार्यवाही किये जाने के लिए आवेदकों को पूर्ण जानकरी से अवगत कराया गया तथा तहसील चायल में 140 आवेदक उपस्थित हुये, जिन्हे ऋण वितरण से सम्बन्धित आवश्यक प्रपत्र पूर्ण करने की जानकारी प्रदान की गयी।मेगा ऋण कैम्प में एलडीएम ने बैंक शाखा प्रबन्धकों के साथ आवेदकों को बैंक स्तर पर ऋण वितरण से सम्बन्धित कार्यवाही के लिए मांगे जाने वाले सभी आवश्यक प्रपत्रों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। उप जिलाधिकारी तहसील मंझनपुर ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री की प्राथमिकता पर है, इसलिये सभी आवेदक निर्भय होकर बैंक शाखा प्रबन्धकों से शीघ्र सम्पर्क कर योजना का लाभ लेकर अपना स्वयं का उद्यम लगायें, जिससे कि अन्य लोगों को भी रोजगार प्राप्त हो सके इस अवसर पर तहसील मंझनपुर/सिराथू/चायल में उपजिलाधिकारी, एलडीएम/ एएलडीएम ई0ओ0 मंझनपुर/ चरवा खण्ड विकास अधिकारी मंझनपुर/सरसवां/सिराथू/कड़ा/चायल/नेवादा/मूरतगंज एवं सम्बन्धित बैंक शाखा प्रबन्धक तथा प्रा0 महामंत्री व्यापार मण्डल रमेश अग्रहरि एवं जिला व्यापार मण्डल अध्यक्ष के साथ-साथ अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

अपनी सेवा काल में कौशाम्बी जनपद में सहयोग एवं दायित्वों के प्रति प्राप्त हुआ गंभीर स्टाफ : एडीएम

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर विदाई किया तथा उनके उज्वल भविष्य की कॉमना की

कौशाम्बी। कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) के पद पर तैनात अरूण कुमार गोंड का अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) झांसी ट्रांसफर हुआ है। अरूण कुमार गोंड ने शासकीय कार्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। कलेक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में आज आयोजित विदाई समारोह में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर विदाई किया तथा उनके उज्वल भविष्य की कॉमना की। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं सभी एसडीएम सहित कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारियों/ कर्मचारियों ने फूलों की माला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर अरूण कुमार गोंड का विदाई किया तथा उनके शासकीय कार्यों के निर्वहन की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कॉमना किया। विदाई समारोह के अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अपनी सेवा काल की अवधि के दौरान कौशाम्बी जनपद में सहयोग एवं दायित्वों के प्रति गंभीर स्टाफ प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024, महाकुम्भ-2025 एवं कार्यालय पत्रावलियों के निस्तारण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अत्यधिक सहयोग मिला तथा आनंद की अनुभूति प्राप्त हुई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वर्टिकल इंटीग्रेशन पर आधारित सेमिनार का आयोजन

कौशाम्बी। एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वर्टिकल इंटीग्रेशन पर आधारित सेमिनार का आयोजन स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एनाटॉमी विभाग के तत्वाधान में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा वर्टिकल इंटीग्रेशन पर आधारित एक शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा निर्धारित कम्प्टेन्सी बेसिड मेडिकल एजुकेशन के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें नाक, कान एवं गला विभाग के साथ समन्वय किया गया। इस सेमिनार की अध्यक्षता चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरि ओम कुमार सिंह ने की। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राकेश कुमार शुक्ला, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी विभाग के

सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषयों के बीच समन्वय की समझ विकसित करना एवं चिकित्सकीय शिक्षा को अधिक व्यवहारिक और रोगी-केंद्रित बनाना रहा

द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो0 डॉ. हरि ओम कुमार सिंह ने बताया कि वेर्टिसियल एन्ट्रीगरेशन के अंतर्गत प्री क्लीनिकल पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल विषयों को इस प्रकार एक-दूसरे से जोड़ा जाता है कि छात्र किसी रोग या संरचना को मूल वैज्ञानिक आधार से लेकर उसके चिकित्सकीय उपयोग तक समझ सकें, उन्होंने बताया कि इस प्रकार की अध्ययन प्रणाली विद्यार्थियों में आरंभ से ही क्लिनिकल अप्रोच ‘ल्लू’ को विकसित करती है तथा प्रेसेंट कंसर्ट एजुकेशन की शुरूआत पहले वर्ष से ही संभव होती है। सेमिनार में डा0 राकेश कुमार शुक्ला ने स्वरयंत्र के संरचना की विस्तृत जानकरी प्रदान की तथा ईएनटी विभाग से डॉ. पंकज तिवारी, सहायक आचार्य द्वारा लरयन्स से संबंधित रोगों तथा उनके उपचार की जानकारी प्रदान की गई। इस शैक्षणिक गतिविधि में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी छात्रों में प्रमुख रूप सेःछात्र छात्रा कनिष्ठ दुबे, मरियम खान, मो0 आकिब आलम, मो0 सैफुल, ओजस, हिमान्सी, छितिज और मो0 अरबाज ने प्रतिभाग किया। प्रतिभाग किये गये एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र छात्राओं मे कनिष्ठ दुबे को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषयों के बीच समन्वय की समझ विकसित करना एवं चिकित्सकीय शिक्षा को अधिक व्यवहारिक और रोगी-केंद्रित बनाना रहा।

मंझनपुर कस्बे के गुटका व्यापारी के प्रतिष्ठान पर लखनऊ टीम का छापा

लेनदेन कर निपट गया गुटका कारोबारी का काला कारोबार

कौशाम्बी। तमाम कंपनियों के गुटखा बेचने की शिकायत पर लखनऊ के डिप्टी कमिश्नर भारी पुलिस फोर्स के साथ मंझनपुर कस्बे के एक गुटका व्यापारी के प्रतिष्ठान पर पहुंचे जहां उनकी गोदाम दुकान और घरों की अधिकारियों ने विधिवत जांच की है बताया जाता है कि गुटका व्यापारी के प्रतिष्ठान में बड़े पैमाने पर व्यापार टैक्स चोरी पकड़ी गई है और तमाम नकली कंपनी के गुटके का भंडारण भी मिला है बताया जाता है बीते 20 वर्षों से यह व्यापारी गुटखा का काला कारोबार कर रहा है तंबाकू उत्पाद का लाइसेंस न होने के बाद भी व्यापारी के प्रतिष्ठान से करोड़ों का व्यापार खुलेआम हो रहा है जिसकी भनक लखनऊ के डिप्टी कमिश्नर को लग गई और डिप्टी कमिश्नर ने विभागीय अधिकारियों के साथ पुलिस फोर्स लेकर मंझनपुर के गुटका व्यापारी के प्रतिष्ठान पर गुरुवार को छाप डाल दिया अचानक दुकान पर अधिकारियों और पुलिस फोर्स को देखकर व्यापारी भी भयभीत हो गया और साथ में आसपास के लोग भी असमंजस की स्थिति में हो गए कि क्या काला कारोबार व्यापारी कर रहा है कई घण्टे व्यापारी की दुकान प्रतिष्ठान में अधिकारियों ने जांच पड़ताल की बताया जाता है कि 72 लाख रुपए टैक्स चोरी व्यापारी की दुकान में पकड़ा गया है लेकिन लेनदेन कर मामले को निपटा दिया गया है।

रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन द्वारा आयोजित समर कैंप में सभी स्कूलों के बच्चे खूब कर रहे हैं एंजॉय

भरवारी कौशाम्बी रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन द्वारा आयोजित समर कैंप में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है। भरवारी स्थित एन .डी .कन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज में चल रहे इस विशेष समर कैंप में न केवल केपीएस और एनडी स्कूल के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं, बल्कि कौशांबी जिले के आसपास के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। बच्चों का जोश, उनके चेहरों की मुस्कान और हर गतिविधि में उनकी भागीदारी इस कैंप की सफलता का प्रमाण दे रही है।समर कैंप की शुरूआत बेहद रंगारंग अंदाज में हुई, जहाँ कार्टून कैरेक्टर्स ने बच्चों का स्वागत कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। उसके बाद बच्चों ने बारी-बारी से स्विमिंग, वॉटर रोलर, जॉर्बिंग बॉल, शावर रेन डांस जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गर्मी के इस मौसम में यह जल क्रियाएं न केवल मनोरंजन का साधन बनीं, बल्कि बच्चों के लिए तरोताजा अनुभव भी रहीं।गर्मियों की तपिश को मात देते हुए बच्चों

ने रेन शावर के नीचे झूमकर डांस किया।तेज म्यूजिक और ठंडी बौछारों के साथ बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई।छोटे-छोटे बच्चों ने रंग-बिरंगे कपड़ों में बारिश में झूमकर मन मोह लिया।स्विमिंग पूल में जॉर्बिंग बॉल और वॉटर रोलर की मस्ती बच्चों के लिए रोमांच से भरपूर रही।बच्चे जॉर्बिंग बॉल के अंदर दौड़ते, गिरते और हँसते-खिलखिलाते नजर आए।पूल में पानी के साथ यह अनुभव उन्हें एक अनोखी दुनिया में ले गया।हर बच्चा इस एक्टिविटी को बार-बार करने की जिद करता दिखाई दिया। बॉलीवुड बीट्स पर बच्चों ने जुंबा डांस कर समर कैंप को जोश से भर दिया।जय-जय शिवशंकर₹और ₹नचो-नचो₹ जैसे गीतों पर बच्चों की तालबद्ध प्रस्तुति ने समां बाँध दिया। कोरियोग्राफर की मदद से बच्चों ने सामूहिक नृत्य में अनुशासन और मस्ती का अनूठा संगम दिखाया।हर परफॉर्मेंस के बाद तालियों की गड़गड़ाहट ने बच्चों का उत्साह और बढ़ा दिया।इसके अलावा समर कैंप में ताइक्वांडो, नृत्य, गायन, वाद्य यंत्र वादन जैसी क्रियात्मक गतिविधियाँ बच्चों की प्रतिभा को सामने ला रही हैं। बच्चों ने अपनी कला और रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने के लिए आर्ट एंड क्राफ्ट में भाग लिया, जहाँ उन्होंने सुंदर चित्र, मॉडल और सजावटी वस्तुएँ बनाईं। योग सत्रों के माध्यम से उन्हें मानसिक शांति और संतुलन का अनुभव कराया गया। इनडोर गेम्स के जरिए बच्चों ने समूह में खेलना, सहयोग करना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना सीखी। इस समर कैंप में प्रतिदिन नई-नई गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिससे बच्चों की बौद्धिक, शारीरिक और रचनात्मक विकास एक साथ हो रहा है। अभिभावकों ने भी फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की है` इस दौरान कई बच्चों ने कहा उन्होंने पहली बार जॉर्बिंग बॉल का अनुभव किया, बहुत मजा आया। इतना अच्छा समर कैंप पहले कभी नहीं देखा। सभी बच्चों ने समर कैंप के आयोजन के लिए रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन और चेयरमैन संजय गुप्ता का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके जीवन का सबसे यादगार अनुभव है। संस्थान के चेयरमैन निवर्तमान विधायक संजय कुमार गुप्ता ने कहा हमारे जिले की हर प्रतिभा को मंच देना हमारा लक्ष्य है, यह समर कैंप उसी दिशा में एक प्रयास है।संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने कहा ₹बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारी प्राथमिकता है, यह कैंप उसी सोच का परिणाम है डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर मयंक मिश्रा ने कहा ₹मनोरंजन के साथ-साथ सीख देने वाला यह कैंप बच्चों के भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का संचार कर रहा है।

न्यूज झरोखा

कुआं से पानी भरने के दौरान कुएं में गिरी वृद्ध महिला मौत

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बड़ा गांव के कुएं में पानी भरने के दौरान शुक्रवार की भोर में एक बृद्ध महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गयी है जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे हैं कोहराम मच गया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके में पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से महिला को कुएं से बाहर निकाला और उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक संदीपन घर थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी गुड्डी देवी उम्र 65 वर्ष पत्नी बिंदेश्वरी प्रसाद शुक्रवार की भोर में 4:00 बजे कुआं से पानी भरने गई थी पैर फिसल जाने से महिला कुएं में गिर गयी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई महिला के घर न पहुंचने पर मौके पर जब परिवार के लोग पहुंचे तो देखा कि महिला कुएं के अंदर गिरी है परिवार के लोगों ने हो हल्ला मचाया मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही मौके पर थाना चौकी पुलिस पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से महिला को कुएं से बाहर निकला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है महिला की मौत के बाद घर परिवार में कोहराम मचा हुआ है

होटल के पास झाड़ी में मिली युवक की नग्न लाश

कोखराज कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के बसेरा होटल ककोढा के पास झाड़ी में एक पुरुष की नग्न लाश मिली है जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोगों काफी भीड़ लग गई है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है काफी प्रयास के बाद शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास पुलिस ने किया लेकिन काफी प्रयास के बाद शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जाती है मृतक के शरीर में धारदार हथियार से चोट से निशान है लाश को देखकर लगता है कि हत्या एक दिन पूर्व की गई है जिससे आशंका जताई जाती की हत्या करके शव को ठिकाने लगाया गया है जानकारी मिलने के बाद कोखराज एसओ चन्द्र भूषण भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे है शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया है

जुम्मा की नमाज पर तैनात रही पुलिस फोर्स एएसपी ने किया भ्रमण

कौशाम्बी जुमा की नमाज के अवसर पर शुक्रवार को जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा जनपद के संवेदनशील स्थानों मस्जिदों पर भ्रमण कर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया थाना क्षेत्र के पुलिस भी जुम्मा की नमाज में अपने-अपने मस्जिदों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात रहे। अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा क्षेत्राधिकारी मंझनपुर के साथ जनपद में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल के साथ कस्बा मंझनपुर में भीड़-भाड़ मिश्रित आबादी वाले स्थानों पर पैदल गस्त किया गया।इस दौरान उन्होंने लोगों से संवाद कर भय मुक्त माहौल के लिए आमजन मानस को आश्वस्त किया।

ड्रामेबाजी तक सीमित रह गयी लूट की घटना

कौशाम्बी। गुजरात प्रांत के थाना व जनपद पाटन अंतर्गत कोनकेर निवासी ब्यापारी भावेश कुमार बारोट पुत्र रमन भाई 15 मई को टूरिस्ट बस से यात्रा कर प्रयागराज से दिल्ली जा रहे थे जैसे ही कोखराज थाना क्षेत्र के जायसवाल ढाबे में टूरिस्ट बस रुकी ब्यापारी को धक्का देकर उनके नोटों से भरा बैग लेकर चोर उचक्के भागने लगे सवारी ने चोर उचक्कों को दौड़ा लिया बैग खुल गया कपड़ा रुपए वा अन्य सामान बैग खुल जाने से सड़क पर बिखर गए जिन्हें बाद में समेट लिया गया है पहले अफवाह फैलाई गई कि 40 लाख रुपए की लूट हो गई है फिर 20 लाख लूट की बात बताई जा रही थी लेकिन व्यापारी ने बताया कि उनके बैग में 5 लाख 65 हजार रुपए थे जो उन्हें मिल गए हैं उनके साथ किसी प्रकार की लूट की घटना नहीं हुई है लेकिन सवाल उठता है कि बस से व्यापारी के उतरने के समय किस चोर उचक्के ने ब्यापारी का बैग छीन कर भागने का प्रयास किया है अभी तक उसकी शिनाख्त थाना पुलिस नहीं कर सकी है जायसवाल ढाबे में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं लेकिन अभी तक जायसवाल ढाबे के मालिक ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज पुलिस को नहीं दिखाई है जायसवाल ढाबे के मालिक का कहना है कि उनका कम्प्यूटर ऑपरेटर नहीं है जिससे वह सीसीटीवी कैमरे की फुटेज नहीं दिखा सकते हैं इतनी बड़ी गंभीर घटना के बाद आखिर सीसीटीवी फुटेज दिखाने में जयसवाल ढाबा के संचालक क्यों व्यवधान डाल रहे हैं इस बड़ी घटना के पीछे ढाबा संचालक की क्या मनसा है यदि ढाबे में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को देख लिया जाए तो बैग लेकर भागने वाले चोर उचक्के की शिनाख्त हो जाएगी और यह भी खुलासा हो जाएगा कि ढाबे में कब-कब चोर उचक्का रुकता था और वह ढाबे में कितनी देर रुकता था और किस-किस कर्मचारी से ढाबे में वह बात करता था ढाबे में रुकने के पीछे उसका मकसद क्या था लेकिन सीसीटीवी कैमरे की फुटेज ना दिखाए जाने से यह तमाम रहस्य दफन होकर रह गया है व्यापारी अपने गंतव्य को चला गया है व्यापारी की तहरीर पर कोखराज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है हालांकि इसके पहले भी जायसवाल ढाबे में घटनाएं हो चुकी हैं जिससे गतिविधियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं

चोरी की लॉकेट के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

महेवाघाट कौशाम्बी महेवा घाट थाना पुलिस ने चोरी के लॉकेट के साथ तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है महेवा घाट थानेदार ने बताया कि मंजू देवी पत्नी राजेन्द्र निवासी फैजू पुर थाना पश्चिम शरीरा वा विमला देवी पत्नी शिव बाबू वा शिव बाबू पुत्र ओमकार निवासी बैश काटी थाना करारी को गिरफ्तार करके उनके पास से 1300 रुपए नगद और चोरी का लॉकेट बरामद किया गया है

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला नहर में युवक का शव

कौशाम्बी थाना मोहब्बत पुर पइंसा के जवई पड़री ईट भट्ठा के पास नहर पर एक युवक का शव मिला है सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर जाकर देखा गया तो पाया गया कि युवक की साइकिल सड़क के किनारे झाड़ियों में पड़ी थी और युवक का शव नहर में पड़ा हुआ था। शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा गया है। युवक की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन काफी प्रयास के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है

एसपी ने किया परेड का टोली बार निरीक्षण

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का टोली बार निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का अवलोकन किया गया। पुलिस कर्मियों को फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई

एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुना

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को भी पुलिस कार्यालय पहुँचे फरियादियों की समस्याओं को सुना जनसुनवाई के दौरान आमजन की शिकायतों समस्याओं को उन्होंने सुना एवं उनकी शिकायतों समस्याओं के त्वरित, विधिवत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित पुलिस जनों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सम्पादकीय

राष्ट्रभक्ति की सीमाओं से परे सौदेबाजी

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया। पुरानी कहावत है, लेकिन जब तक राजनीति और कारोबार कायम हैं, यह बात भी सोलह आने सच ही रहेगी। भाजपा तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रवाद की नयी हुंकार भर रही है (हालांकि उसी तिरंगे से नाक पोंछने और यात्रा के बाद सड़क पर पड़े रहने के वीडियो सामने आए हैं), ऑपरेशन सिंदूर का सारा श्रेय मोदीजी के खाते में जमा किया जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान का साथ देने वाले अजरबेजान और तुर्किए का भी बड़े पैमाने पर बहिष्कार हो रहा है। लेकिन उधर नरेन्द्र मोदी के करीबी उद्योगपति मुकेश अंबानी डोनाल्ड ट्रंप से कतर में मुलाकात करते हैं।

इस बीच ट्रंप का एक और भारत विरोधी बयान सामने आ गया है, जिसमें वो एप्पल के सीईओ टिम कुक का नाम लेकर कह रहे हैं कि मैंने टिम से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करें। उन्होंने कहा कि भारत को अपने हितों का ध्यान खुद रखने दें।

भारत का दुश्मन देश जिस तरह के बयान दे सकता है, लगभग उसी तरह के बयान डोनाल्ड ट्रंप लगातार दिए जा रहे हैं। अमेरिका में बिना पूरे कागजात के रह रहे भारतीयों को जिस तरह हथकड़ी के साथ अपने सैन्य विमान में भेजा गया, वो दृश्य जनता नहीं भूली है। इसके बाद उन्होंने नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके सामने ही कहा था कि वे भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे, जितना भारत लगाता है। इस धमकी के बाद उन्होंने भारत पर दबाव डाला कि वह अपना टैरिफ कम करे। टैरिफ के अलावा भारत और पाकिस्तान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि दोनों देशों के नेता उनके अच्छे मित्र हैं, दोनों देशों को ट्रंप ने एक पलड़े पर रखा। जबकि भारत पाक समर्थित आतंकवाद से पीड़ित देश है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच में ही ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से लंबी चर्चा की और युद्धविराम करवा दिया है। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से हमले हुए, लेकिन ट्रंप की नजर में फिर भी दोनों देश एक समान ही रहे।

सऊदी अरब और कतर के दौरे पर भी ट्रंप ने युद्धविराम के लिए व्यापार का दबाव डालने वाला बयान दिया और भारत ने इसे नहीं नकारा। एक के बाद एक सारे भारत विरोधी बयानों के बाद अब ताजा बयान एप्पल के भारत में निवेश को रोकने के लिए ट्रंप ने दिया है। ट्रंप ने एक तरफ टिम कुक से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करे, दूसरी तरफ ये भी कहा कि 'अगर आप भारत की मदद करना चाहते हो, तो ठीक है, लेकिन भारत दुनिया के सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। वहां बेचना मुश्किल है। भारत ने हमें एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें उन्होंने हमारे सामानों पर कोई टैरिफ नहीं लगाने का वादा किया है।'

गौर करने वाली बात है कि भारत क्या करने जा रहा है, या उसने क्या प्रस्ताव दिया है, यह बात नुक्कड़ की चाय दुकान पर होने वाली चर्चा में किसी आम शख्स ने नहीं कही है, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान आए हैं, इसके बाद भी भारत सरकार कुछ कह क्यों नहीं रही। इन बयानों की सच्चाई सामने क्यों नहीं रख रही, यह समझ से परे है।

भारत में अभी बयानबाजी की नहीं बल्कि राजनेतृत्व की जरूरत

- डॉ. अरुण मित्रा

कभी भी देर नहीं होती। युद्ध विराम अभी भी जारी है, भले ही कमजोर आधार पर, लेकिन हम इसे मजबूत बना सकते हैं। दोनों देशों को इसके लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। पाकिस्तान के लिए सेना को मनाना एक बड़ा काम है। नागरिक सरकार और नागरिक समाज को अच्छे पड़ोसी संबंधों के लिए जोरदार आवाज उठानी होगी।

युद्ध दुख और मौतें लेकर आता है। पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवाने ने पुणे में कॉस्टअकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'युद्ध न तो रोमांटिक है और न ही कोई बॉलीवुड फिल्म।' उन्होंने कहा कि 'कूटनीति उनकी पहली पसंद होगी, 'सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में सदमा है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने गोलाबारी देखी है और जिन्हें रात में आश्रयों की ओर भागना पड़ता है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके लिए यह सदमा पीढ़ियों तक रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने भयानक दृश्य देखे हैं, उनमें पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीडीएस) है, जो 20 साल बाद पसीने से तरबतर हो उठते हैं और उन्हें मनोचिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता होती है। युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, कूटनीति को आगे बढ़ना चाहिए।

यही कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का न केवल शांति कार्यकताओं बल्कि पूरे देश के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग इस घोषणा से बहुत राहत महसूस कर रहे थे। पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर हमला करने का निर्णय लेने के तुरंत बाद, यह महसूस किया गया कि पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और यह बालाकोट की पुनरावृत्ति नहीं होगी। इसलिए सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों को खाली करवा दिया गया और लोगों को अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया। ऐसे शिविरों में जीवन हमेशा दयनीय होता है। यह मैं 1965 के युद्ध के दौरान एक किशोर के रूप में अपने अनुभव से कह सकता हूं जब हमारे स्कूल खाली करवा दिये गये थे, कक्षाएं बंद कर दी गयी थीं और सीमा से सटे गांवों के लोगों को हमारे स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था। हम उनके लिए भोजन एकत्र कर रहे थे और उन्हें इन नये तथाकथित घरों में आपूर्ति कर रहे थे। कोई गोपनीयता नहीं, कोई पसंद का भोजन नहीं, कोई उचित आश्रय नहीं, कोई काम नहीं और बच्चों के लिए स्कूल के दिनों का नुकसान, मैं महसूस कर सकता था कि युद्ध कितना भयानक है। यह सर्वविदित तथ्य है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में शरणार्थी शिविर में जीवन बहुत कठिन है, चाहे वह क्षेत्र कितना भी विकसित क्यों न हो। इसलिए जब युद्ध विराम हुआ, तो लोगों ने राहत की सांस ली।

इस पृष्ठभूमि में सोमवार रात प्रधानमंत्री के भाषण से बहुत कुछ अपेक्षित था। एक महत्वपूर्ण सवाल जो लोगों के मन में पहले से ही आ रहा था, वह यह था कि हमारे प्रधानमंत्री के भाषण से कुछ मिनट पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कैसे की? यह आश्चर्यजनक था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा की और दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए सहमत होने के लिए मजबूर किया, जबकि उन्होंने धमकी दी कि अगर वे युद्ध नहीं रोकेंगे तो वे व्यापार नहीं करेंगे। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बोलने वाले नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कही गयी बातों का खंडन करने में विफल रहे।

इससे पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान के मामलों में ट्रंप का स्पष्ट हस्तक्षेप और द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने की हमारी समझ पर उनका हावी होना हमारे नेतृत्व द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। द्विपक्षीय वार्ता से मुद्दों के सुलझाने की समझ शिमला समझौता1972 से बनी थी। लेकिन दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इस बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। उनका पूरा भाषण पाकिस्तान की आलोचना करने और यह बताने पर केंद्रित था कि भारत भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर बल का प्रयोग करता रहेगा।

इस समय उन्हें युद्ध विराम को मजबूत करने के बारे में बात करनी चाहिए थी और शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट शब्दों में व्यक्त करना चाहिए था। हमेशा की तरह भारतीय सेना ने 7 मई को पहले ही दिन आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर बेहतरीन काम किया। जैसा कि प्रेस काफ्रेंस में प्रधान सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि हमारा काम केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाना था और हमारा इरादा नागरिकों को मारना या पाकिस्तान के सैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाना नहीं है।

हालांकि 7 मई के बाद पाकिस्तान द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई ने स्थिति को और खराब कर दिया। प्रधानमंत्री अगर भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्ध विराम से शुरू करके दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति को मजबूत करने की बात करते तो वे दक्षिण एशिया के एक बड़े नेता के रूप में आगे बढ़ते। लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। बयानबाजी से भरा उनका भाषण केवल अंधभक्ति पैदा करके अपने चुनावी आधार को मजबूत बनाने के लिए था।

उन्हें सार्क को मजबूत करने की बात करनी चाहिए थी ताकि सभी दक्षिण एशियाई देश मिलकर उन मुद्दों को सुलझा सकें जहां भारत पाकिस्तान पर आतंकवादी तंत्र को तोड़ने के लिए दबाव डाल सकता था। जहां भारत आजादी के बाद धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश के रूप में विकसित हुआ, वहीं पाकिस्तान लंबे समय तक एक धर्मशासित राज्य के रूप में सेना के शासन में रहा। सेना के अधिकारी बड़े कारोबार को नियंत्रित करते हैं और वे पाकिस्तान में बड़े भू-स्वामी हैं। इसलिए हमें अर्ध-लोकतांत्रिक राज्य के साथ मामलों में सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

26 नवंबर, 2008 को मुंबई में ताजमहल होटल पर हुए हमले के दौरान भारत ने सफलतापूर्वक हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के सुबूत दिये थे। इसलिए जब कसाब को मौत की सजा सुनाई गयी और उसे फांसी दी गयी, तो दुनिया में कहीं भी कोई शोर-शराबा नहीं हुआ। वर्तमान भारतीय सरकार को भी अब ऐसा ही करना चाहिए था और पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को मारने वाले आतंकवादियों के बारे में पाकिस्तान को सुबूत देने चाहिए थे। इससे हमारी विश्वसनीयता बढ़ती और भारत की स्थिति मजबूत होती।

बहरहाल, कभी भी देर नहीं होती। युद्ध विराम अभी भी जारी है, भले ही कमजोर आधार पर, लेकिन हम इसे मजबूत बना सकते हैं। दोनों देशों को इसके लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। पाकिस्तान के लिए सेना को मनाना एक बड़ा काम है। नागरिक सरकार और नागरिक समाज को अच्छे पड़ोसी संबंधों के लिए जोरदार आवाज उठानी होगी।

भारत को सार्क को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में बातचीत की प्रक्रिया जारी रखनी चाहिए। दक्षिण एशिया को साझा सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी चाहिए। दक्षिण एशियाई देशों की संयुक्त बैठकों के माध्यम से पाकिस्तान को अपने परमाणु सिद्धांत के रूप में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने के लिए राजी करना चाहिए।

द्वि-राष्ट्रवाद के बाद से कई राष्ट्रों में बंटा

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

बलूचियों को यह भी लगता है कि पाकिस्तान ने अपने बदहाल आर्थिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए चीनियों को उनके इलाके में बुला लिया है। चीन ने 62 अरब डॉलर का भारी निवेश किया है और वह बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को संचालित करता है। चाइना-पाकिस्तान इकानॉमिक कॉरिडोर (सीपैक) के तहत इस बंदरगाह से चीन जहां दुनिया से जुड़कर अपना माल बेचने की राह आसान करता है।

लगता है कि पाकिस्तान का एक और हिस्सा उसके गले की फांस बनने जा रहा है। पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिफ मुनीर ने पिछले महीने जरूर कश्मीर को अपने गले की नस बताया था लेकिन सच्चाई यह है कि अब जिसने पाकिस्तान की नाक के नीचे विध्वंस मचा रखा है, वह उसी के देश का अपना हिस्सा बलूचिस्तान है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद एक बलोच नेता मीर यार बलूच ने बलूचिस्तान को आजाद घोषित कर दिया है बाकायदा अपने एक झंडे और राष्ट्रगीत के साथ। बलूच जनजाति का संघर्ष यूं तो सदियों पुराना है लेकिन कुछ समय से यह सतह पर है जिसका जन्म पाकिस्तान बनते ही हो गया था। पाकिस्तान ने हमेशा इस संघर्ष को विद्रोह मानकर कुचलने की कोशिश की। देश का सबसे बड़ा और संसाधनों के हिसाब से बेहद समृद्ध हिस्सा होने के बावजूद बलूचिस्तान को कोई तवज्जो नहीं मिली। पाकिस्तान में पहले दिन से ही पंजाब मूल के हुक्मरानों, सेनाध्यक्षों और बुद्धिजीवियों का दबदबा रहने से उसके अन्य हिस्से छिटके ही रहे। सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान जैसे सूबे हमेशा विकास से कटे रहे। नतीजतन वहां की जनता आज भी गरीबी और अशिक्षा से ग्रस्त है। उस पर दुविधा यह है कि पाकिस्तान पर राज करने वाले कभी परवाह भी नहीं करते कि इन विद्रोहियों से बातचीत कर कोई रास्ता निकाला जाए। बलूचियों को यह भी लगता है कि पाकिस्तान ने अपने बदहाल आर्थिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए चीनियों को उनके इलाके में बुला लिया है। चीन ने 62 अरब डॉलर का भारी निवेश किया है और वह बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को संचालित करता है। चाइना-पाकिस्तान इकानॉमिक कॉरिडोर (सीपैक) के तहत इस बंदरगाह से चीन जहां दुनिया से जुड़कर अपना माल बेचने की राह आसान करता है, वहीं बलूची मानते हैं कि यह उनकी आजादी में दखल है और उनकी जमीन पर कब्जे की साजिश है। चीन का विस्तारवादी अतीत भी उन्हें ऐसा सोचने पर मजबूर करता है। बलूचिस्तान न केवल पाकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य है बल्कि प्राकृतिक गैस, सोना, तांबा, रेडियम जैसे कई महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार भी वहां हैं। पहले-पहल सिंगापुर की एक कंपनी इसका संचालन कर रही थी, फिर चीन ने इसे अपने ही देश की कंपनी को दे दिया। चीन यहां काम करते रहने के लिए अपनी सेना

रखना चाहता है क्योंकि छह महीने पहले उसके पांच इंजीनियर यहां मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान के बारे में यह कहना गलत नहीं होगा कि अपने खस्ताहाल अर्थतंत्र को जिंदा करने के लिए चीन एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में वहां काम कर रहा है और पाकिस्तान यह कीमत अपने सूबों का दमन करके दे रहा है। दमन का यह सिलसिला ऐसा रहा कि एमनेस्टी इंटरनेशनल की रपट के मुताबिक 2011 से अब तक दस हजार बलूच गायब कर दिए गए हैं। पाकिस्तान के ख्यतिनाम पत्रकार हामिद मीर के लफ्ज़ों में लिखी यह कहानी बताती है कि पाकिस्तानी शासक किस कदर बलूचियों के प्रति क्रूर रहे हैं। वे लिखते हैं-'यह सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं है, बल्कि बलूचिस्तान की हजारों माताओं, बेटियों, बहनों और पत्नियों की कहानी है। सामी दीन को तब से जानता हूं, जब वह सिर्फ 10 साल की थी। उसके पिता डॉ. दीन मोहम्मद बलूच बलूचिस्तान के खुजदार जिले के ओरनाच में एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टर थे। 28 जून 2009 को उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूच अलगाववादियों के साथ संबंध होने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उन्हें कभी किसी अदालत में पेश नहीं किया गया। उनकी पत्नी और स्कूल जाने वाली दो बेटियों ने अदालत में याचिका दायर की, लेकिन उन्हें कभी न्याय नहीं मिला। एक दिन 10 साल की सामी अपने पिता के लिए आवाज उठाने इस्लामाबाद आई। मैंने उसे प्रेस क्लब के सामने देखा। उसके हाथ में अपने पिता की तस्वीर थी। वह बलूचिस्तान के अन्य लापता लोगों के परिवारों के साथ बैठी थी। सामी की बस यही मांग थी कि अगर उसके पिता किसी अवैध गतिविधि में शामिल हैं, तो उन्हें अदालत में पेश किया जाए, वरना रिहा किया जाए।' हामिद आगे लिखते हैं-'फरवरी, 2014 में, जब वह सिर्फ 15 साल की थी, एक ऐतिहासिक लॉन्ग मार्च का हिस्सा बनी। यह मार्च क्वेटा से कराची और फिर कराची से इस्लामाबाद तक (2,000 किलोमीटर) किया गया था, जिसमें बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों के मुद्दे को उठाया गया था। इस मार्च की अगुवाई सामी के मामा 72 वर्षीय कदीर बलूच कर रहे थे। जब वे इस्लामाबाद पहुंचे, तो मैंने अपने टीवी शो में मामा कदीर और सामी को आमंत्रित किया, लेकिन मेरे शो से कुछ मिनट पहले पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन प्रवक्ता जनरल असीम सलीम बाजवा मेरे ऑफिस आए और मुझसे इंटरव्यू न लेने के लिए कहा। मैंने मना कर दिया। शो के दौरान जब ब्रेक हुआ, तो मुझे तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का फोन आया, जो मेरा शो देख रहे थे। उन्होंने इन बलूच कार्यकताओं से मिलने की इच्छा जताई। मैंने अगले दिन सुबह 11 बजे उनकी मुलाकात तय कर दी। सामी इस बात से बेहद उत्साहित थी कि वह प्रधानमंत्री से मिलेगी और फिर उसके पिता लौट आएंगे, पर उसी रात मामा कदीर, सामी और अन्य प्रदर्शनकारियों को इस्लामाबाद से जबरन बाहर निकाल दिया गया। खुफिया एजेंसियों ने प्रधानमंत्री को कभी भी बलूच कार्यकताओं से मिलने नहीं दिया। कुछ हफ्तों बाद कराची में मुझ पर एक जानलेवा हमला हुआ। मुझे छह गोलियां लगीं, लेकिन किस्मत से मैं बच गया। कुछ समय बाद नवाज शरीफ को सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्य घोषित कर दिया।'

क्या यह घटना काफी नहीं पाकिस्तान की उथल-पुथल को बताने के लिए? दुनिया को जैसे बलूचियों की आवाज से भी कोई मतलब नहीं है। वह वक्त देखकर अपने स्वार्थ के हिसाब से पांसे फेंकती है। तभी तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत और पकिस्तान को एक ही पलड़े में रखकर युद्ध रुकवाने की बात कह देते हैं। भारत और पाकिस्तान को ही यह समझना होगा कि देश में या देश के बाहर, माहौल बातचीत से ही बदला जा सकता है। आपसी संवाद ही काम कर सकता है वरना दो बिल्लियों की लड़ाई में फायदा सिर्फ बंदर का होता है जो सारी रोटी चट कर जाता है। इस माहौल में बलूच नागरिकों को भी लगता है कि दुनिया उनकी भी आवाज सुने। बलूच नेता मीर यार बलूच ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला ले लिया है। 'रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान' एक स्वतंत्र राष्ट्र है और अब दुनिया को भी चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने भारत समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की अपील की है कि वे बलूचों को 'पाकिस्तान के लोग' कहना बंद करें। उन्होंने कहा कि हम अपनी नस्ल बचाने के लिए निकले हैं, आओ हमारा साथ दो। मीर ने कहा-'पाकिस्तान को दी जाने वाली अंतरराष्ट्रीय सहायता और कर्ज पैसे की बबार्दी थी। 1947 से 2025 तक पाकिस्तान ने पश्चिम, आईएमएफ, विश्व बैंक से अरबों डॉलर प्राप्त किए और हजारों जिहादी समूहों का समर्थन किया। पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के नाम पर अमेरिका से फंड लिया, लेकिन इन पैसों का इस्तेमाल 9/11 हमले के बाद अफगानिस्तान में 5000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों, नाटो सैन्य बलों और नागरिकों को मारने के लिए आतंकियों पर खर्च किया। पाकिस्तान के आतंकवादी व्यवहार के कारण बलूचिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपातकालीन बैठक बुलानी चाहिए।' पोस्ट में भारत से समर्थन की आस में भारत की पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को खाली कराने की मांग का भी पूरा समर्थन किया है। इसके साथ ही यह मुद्दा सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा।

हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है। सैंतीस बरस की करीमा बलूच वहां की जानी-मानी मानवाधिकार कार्यकर्ता थीं। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन को महिलाओं के मध्य ले जाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। बीबीसी ने उनका नाम दुनिया की सौ सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची में शामिल किया था। रक्षाबंधन के मौके पर करीमा बलोच ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की थी। पाकिस्तान में हालात खराब होने लगे तब करीमा ने कनाडा में शरण ली, जहां से 22 दिसंबर 2020 को संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव बरामद किया गया। बलूचिस्तान में कई संगठन हैं जो अपनी आजादी के लिए लड़ रहे हैं। वे जब-तब अपनी उदारवादी सोच को जाहिर भी करते हैं। नेता ताराचंद बलोच वहां की बलोच नेशनल पार्टी के चुने हुए नेता थे और बलूच आज भी उन्हें बहुत सम्मान से याद करते हैं। बाद में आंदोलन हिंसक हो गया। बलूच लिबरेशन आर्मी ने मार्च में एक ट्रेन को अगुआ कर चुन-चुन कर पाकिस्तानी सेना के जवानों को निशाना बनाया था। लड़ाई पुरानी है क्योंकि 1947 में बलूचिस्तान की एक रियासत कलात ने पाकिस्तान में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उसने पाकिस्तान की आजादी से पहले ही खुद को आजाद घोषित कर दिया था। पाकिस्तानी सेना ने वहां हमला बोल दिया फिर एक समझौते के तहत मोहम्मद अली जिन्ना के साथ सहमति बनी कि दोनों में से कोई भी कहीं घुसपैठ नहीं करेगा। ऐसा हो नहीं पाया और बलूचिस्तान आज भी तकलीफ में ही है ।

एक दिवसीय डे नाइट मैच संपन्न

औराई भदोही - एक दिवसीय रात्रि मैच में औराई पत्रकार टीम ने एक तरफ मैच जीत दर्ज की

मैच का शुभारंभ फीता काटकर मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया ततपश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया ' नगर पंचायत घोसिया के वार्ड नंबर 4 अंबेडकर नगर के राजापुर में एक दिवसीय मैच नगर पंचायत घोसिया कार्यालय बनाम औराई पत्रकार के बीच खेला गया जिसमें पत्रकार टीम ने मैच जीत दर्ज की

घोसिया के इतिहास में पहली बार पत्रकार बनाम नगर पंचायत घोसिया कार्यालय के बीच एक दिवसीय रात्रि मैच खेला गया जिसके मुख्य अतिथि रहे महताब आलम सिटी रग्स व ब्लॉक प्रमुख औराई विकास मिश्रा जी क्षेत्राधिकार नरेश कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष पति अबरार अली अधिशासी अधिकारी अनुपम सिंह पत्रकार टीम के कप्तान मोहम्मद मासूम ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग का फैसला लिया नगर पंचायत कार्यालय के टीम ने 6 ओवरों के मैच में 8 विकेट के नुकसान पर 40 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में पत्रकार टीम ने तीन ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 7 विकेट से मैच जीत दर्ज कर ली और सभी पत्रकार का सम्मान मुख्य अतिथि के द्वारा कप और मेडल देकर सम्मानित किया गया और मैन ऑफ

द मैच शिवम सिंह पत्रकार टीम से रहे उपकप्तान राजनिकांत मिश्रा के द्वारा बहुत ही अच्छा बैटिंग किया गया और सब पत्रकार टीम के सभी खिलाड़ी ने बहुत अच्छा मैच खेल इस मौके पर दिलशाद अहमद, मेराज अहमद, रियाज अहमद,रजनीकांत मिश्रा,कृष्णा मिश्रा, महफूज आलम,संजय मिश्रा,नीतीश चौबे, मोहसिन अंसारी,शिवम सिंह,कलेक्टर शुक्ला, कृष्णा दुबे,अनिल दुबे,विक्की दुबे आयोजक शाहिद आलम लाइक राबिल रहे।

डीएम व एसपी की अध्यक्षता में आईजीआरएस व रिट विषयक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ

अखंड भारत संदेश

भदोही । जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की संयुक्त अध्यक्षता में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों के सापेक्ष प्राप्त, निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। आईजीआरएस समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहां की जिन विभागों में शत-प्रतिशत असंतुष्ट फीडबैक है वहां के अधिकारी कल जनसंवाद दिवस पर शिकायतकताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक कराए। आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के संतुष्टि का जीरो प्रतिशत रहने पर जिलाधिकारी ने बीडीओ भदोही को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करते हुए अपेक्षित सुधार पर बल दिया। उन्होंने सम्बन्धित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पोर्टल पर प्राप्त असंतुष्ट शिकायतकर्ता से वे स्वयं बात करके समाधान निस्तारित करें। डीएम ने जनपद के सभी लेखपालों को सख्त निर्देश दिया कि पोर्टल पर प्राप्त सभी शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर सही आख्या अपलोड करें। सभी एसडीएम व तहसीलदार, लेखपाल की रिपोर्ट को बिना पढ़े व देखे न

अग्रसारित करें। गलत रिपोर्ट पाये जाने पर उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निरस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी फरियादियों/शिकायतकताओं की संतुष्टि के प्रति बेहद गम्भीर है, इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आई.जी.आर.एस. पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आई.जी.आर.एस. पर प्राप्त शिकायतों के डिफाल्टर होने व निस्तारित शिकायतों की खराब गुणवत्ता पाये जाने पर कुछ विभागीय अधिकारियों को इसमें सुधार लाने की कड़ी चेतावनी दिया, कहा कि ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिये कि निस्तारण की गुणवत्ता खराब होने के कारण उच्च स्तर से शिकायतें पुनः वापस आ जायं। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण का परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। क्योकि शिकायतकर्ता की संतृष्टि ही संदर्भो का निस्तारण का मूल लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि आईजीआरएस का पैरामीटर बदल गया है असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को सही ढंग से निस्तारण कराए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिवनारायण सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा, ईडीएम आशुतोष श्रीवास्तव एवं संबंधित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

फॉलो अप : नीति आयोग की रैंकिंग को चुनौती देता चित्रकूट का पियरिया विद्यालय

- सरकारी दावों की खुली पोल
- कागजी कायाकल्प बनाम जमीनी जहालत
- ऑपरेशन कायाकल्प बना ऑपरेशन कागज

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शिक्षा क्षेत्र में हाल ही में नीति आयोग की आकांक्षी जिलों की रिपोर्ट में जिले को देशभर में आठवां स्थान प्राप्त हुआ है। सीएम योगी ने इस उपलब्धि पर ट्वीट कर सराहना की है। बीएसए के अनुसार जिले के सभी 1262 विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत व्यापक सुधार किए गए हैं, जिनमें शौचालय, डेस्क-बेंच, पेयजल, डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट टीवी तक की सुविधाएं शामिल हैं। उनका दावा है कि शिक्षक अब डिजिटल टेक्नोलॉजी से बच्चों को स्मार्ट शिक्षा दे रहे हैं और गांव-गांव तक गुणवत्ता वाली पढ़ाई पहुंच चुकी है।

लेकिन इन तमाम सरकारी दावों व रिपोर्टों की चमक उस वक्त धुंधली पड़ जाती है जब अखण्ड भारत संदेश की टीम 13 मई को रामनगर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय पियरिया कला पहुंची, तो वहां की स्थिति देखकर किसी को भी यकीन नहीं होगा कि यह वही जिला है जो शिक्षा के क्षेत्र में देश के टॉप-10 में शामिल हो गया है। स्कूल की रसोईघर की छत में इतनी गहरी दरारें हैं कि धूप व बारिश दोनों आर-पार दिखाई देती हैं। स्कूल का चारदीवारी निर्माण कार्य न सिर्फ घटिया स्तर का है, बल्कि इसकी पूरी लागत प्रधानाध्यापक ने अपने व्यक्तिगत खाते में ट्रांसफर कर ली गई है। आरोप है कि गेट के नीचे पिलर तक गायब हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठते हैं। बच्चों को चार महीने से रोटी नही मिली और साल भर से दूध नही मिला, फलों का कुछ पता नही। बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर में बढ़ाकर दिखाई जा रही है। स्कूल में साफ-सफाई का घोर अभाव है, किचन के पास पानी भरा हुआ है जो हादसे को न्योता दे रहा है। ग्रामीणों की मानें तो यह विद्यालय अब शिक्षा का मंदिर नहीं बल्कि खानापूरी व भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है।

चित्रकूट का पियरिया विद्यालय

जब नीति आयोग की रिपोर्ट यह कहती है कि जिले के स्कूलों में डिजिटल शिक्षा दी जा रही है, तब यह सवाल है कि क्या यह रैंकिंग वास्तव में जमीनी मूल्यांकन पर आधारित है या सिर्फ कार्यालयी प्रजेंटेशन व कागजी आंकड़ों पर? क्या सरकार और प्रशासन सिर्फ उन्हीं स्कूलों को दिखाते हैं जिन्हें सजाकर रिपोर्ट के लिए प्रस्तुत किया जाता है? और यदि पियरिया विद्यालय जैसा स्कूल इस रैंकिंग के पैमाने से बाहर है, तो जिले की असली तस्वीर कितनी भयावह होगी? क्या ऑपरेशन कायाकल्प सिर्फ ऑपरेशन कागज बनकर रह गया है? और क्या इस चमकदार रैंकिंग की चकाचौंध में उन बच्चों का भविष्य कुचला जा रहा है, जिनके लिए यह सारी योजना बनाई गई थी? वहीं इस संबंध में बीईओ एनपी सिंह ने गुरूवार को बताया कि जांच करने का समय नही मिला व शुक्रवार को उनका फोन नही उठा।

ऑपरेशन कागज की सफलता?

एक ओर सरकारी वाक्यलेखन फाइलों की पीठ थपथपाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा, वहीं दूसरी ओर हकीकत यह है कि शौचालय में ताला लटका है, डेस्क-बेंच के नाम पर बच्चे जमीन पर बैठते हैं, और पीने के पानी के लिए बच्चे हैंडपंप से बाल्टी में पानी भरते हैं। डिजिटल क्लासरूम का कुछ अता-पता नहीं है, हाँ, स्मार्ट टीवी जरूर टंगा हुआ है और चलता भी है।

न्यूज झरोखा

प्रतिबंधित पेड़ों की कटी लकड़ी लदा ट्रक वन विभाग ने पकड़ा

चित्रकूट। जिले में हरे पेड़ों की अवैध कटाई एक बार फिर चर्चा में है। इस बार सेंट थॉमस स्कूल के पीछे पीपल और गूलर जैसे प्रतिबंधित हरे पेड़ों को काटकर चोरी-छिपे ट्रक में लोड किया जा रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि इस पूरे कटान और लोडिंग को एक लकड़ी माफिया के इशारे पर अंजाम दिया जा रहा था। यह माफिया पहले भी कई बार वन विभाग की निगरानी में आ चुका है, लेकिन इस बार मामला सीधे प्रतिबंधित हरे पेड़ों से जुड़ा होने के कारण गंभीर हो गया है। ट्रक को वनकर्मियों ने जब्त करते हुए भरतपुर की पौधशाला में खड़ा करा दिया है। इस संबंध में जिम्मेदारों से बात नही हो सकी है।

मासूम से रेप के दरिंदे को रिकॉर्ड 41 दिन में 25 साल की कैद, ऑपरेशन कन्विक्शन का धमाका, चित्रकूट पुलिस ने रचा इतिहास

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक के ऑपरेशन कन्विक्शन ने शुक्रवार को चित्रकूट में एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने न सिर्फ अपराधियों के दिलों में खौफ भर दिया है, बल्कि न्याय व्यवस्था में आमजन के विश्वास को भी आसमान पर पहुंचा दिया है। एसपी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना मानिकपुर में 6 अप्रैल, 2025 को एक 12 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ हुई बलात्कार की जघन्य घटना के आरोपी को महज 41 दिनों के भीतर, 25 साल के कठोर कारावास और 12 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ऑपरेशन कन्विक्शन की उस प्रतिबद्धता का जीता-जागता सबूत है, जिसके तहत जघन्य अपराधियों को न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाई जा रही है। मामला थाना मानिकपुर में 6 अप्रैल, 2025 को दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने इसे तत्काल चिन्हित कर अधीनस्थों को दरिंदे को शीघ्र सजा दिलाने का कड़ा निर्देश दिया था। पुलिस ने स्पीडी तरीके से कार्रवाई करते हुए त्वरित विवेचना के बाद महज अगले ही दिन, 7 अप्रैल को अभियुक्त शारदा कोल पुत्र सिपाहीलाल कोल (निवासी ऐलहा बढैया थाना मानिकपुर) को गिरफ्तार कर लिया। साक्ष्य संकलन की कार्यवाही को युद्धस्तर पर पूरा करते हुए मात्र 5 दिनों के भीतर, 11 अप्रैल को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया। न्यायालय ने भी मामले की संवेदनशीलता व पुलिस की तत्परता को देखते हुए 15 अप्रैल को त्वरित संज्ञान लिया। अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष पॉक्सो एक्ट) श्रीमती रेनू मिश्रा की अदालत में निरंतर साक्ष्य की कार्यवाही चली और 16 मई को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दरिंदे शारदा कोल को 25 वर्ष के कठोर कारावास और 12 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। न्याय की इस ऐतिहासिक कार्यवाही में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक दुर्गविजय सिंह, विवेचक विनय विक्रम सिंह, वर्तमान प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव एवं पैरोकार मुख्य आरक्षी अजय कुमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

गांजा तस्कर दबोचा, 1.4 किग्रा अवैध गांजा बरामद

चित्रकूट। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे अभियान को एक और सफलता मिली है। कोतवाली कर्वी क्षेत्र अंतर्गत मंडी समिति चौकी पुलिस ने एक शातिर गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर 1 किलो 40 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी मंडी समिति दारोगा विवेक कुमार सिंह और आरक्षी शिवपूजन की टीम ने आरोपी सुनील पुत्र लल्लू निवासी प्यारेलाल कॉलोनी के सामने, कसहाई रोड को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी में उसके सफेद प्लास्टिक झोले से भारी मात्रा में नाजायज गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

एसडीएम की छापेमारी में दो ओवरलोड ट्रैक्टर पकड़े, रास्ते में मचाया गया हंगामा

- दबंगों की दबिश पर नहीं झुका प्रशासन

अखंड भारत संदेश

मौके पर पकडे गए ट्रैक्टर

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर तहसील क्षेत्र में बुधवार को अवैध खनन माफिया पर प्रशासन की करारी चोट पड़ी है। उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने 15 मई को क्षेत्रीय भ्रमण में राजापुर-कमासिन मार्ग पर जबरदस्त छापेमारी कर अवैध और ओवरलोड मोरम लदे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़वाए। दोनों वाहन यूपी 96एच 5706 और यूपी 96 एच 2755- बिना किसी वैध रवन्ना व आवश्यक अभिलेखों के पाए गए।

मौके पर दोनों ट्रैक्टरों में लगभग 250-250 घनफीट अवैध मोरम भरी थी। जब वाहन चालकों से दस्तावेज मांगे गए तो न तो रजिस्ट्रेशन और न ही बीमा दिखा सके। एसडीएम के निर्देश पर दोनों वाहन जब थाना राजापुर ले जाए जा रहे थे, तभी बीच रास्ते में कुछ दबंगों ने वाहनों को जबरन एक घर में खड़ा करा लिया। लेकिन प्रशासन भी इस बार झुकने वाला नहीं था। एसडीएम ने सुरक्षा में तैनात होमगार्ड की मदद से दोनों वाहनों को मोरम सहित थाने पहुंचवाया और पुलिस को सुपुर्द कर दिया। अब जिला खान अधिकारी से परीक्षण कराने और परिवहन विभाग द्वारा दंडात्मक कार्यवाही की सिफारिश की गई है। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि न्यायालय से आदेश प्राप्त होने तक जब्त वाहन थाने की अभिरक्षा में रखे जाएं।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, महिला समेत दो गिरफ्तार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे अवैध शराब विरोधी अभियान ने एक बार फिर जोरदार पकड़ बनाई है। सोमवार को थाना बहिलपुरवा व थाना मऊ की पुलिस टीमों ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में अवैध शराब के जाल में लिप्त दो आरोपियों को धर दबोचा। थाना बहिलपुरवा की पुलिस टीम ने दारोगा प्रभाकर उपाध्याय व सिपाही मोनू राय के नेतृत्व में अतरी मजरा चंद्रमारा गांव से आरोपी सोनू यादव को 20 क्वार्टर देशी शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वहीं, थाना मऊ पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम बराछी से सत्यम देवी को दो पिपियों में 10-10 लीटर कच्ची शराब (महुआ) समेत पकड़ा। कार्यवाही में दारोगा शहनवाज खां, ओमप्रकाश सिंह, अंकित सिंह तथा आबकारी निरीक्षक राजेश कुमार यादव सहित अन्य शामिल रहे।

मऊ में व्यापारी के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

- लपटों से उठी दहशत, जज्बे से थमी तबाही

अखंड भारत संदेश

आग से क्षतिग्रस्त घर

मऊ/चित्रकूट। मऊ कस्बे की सुबह शुक्रवार को लपटों और चीख-पुकार के साथ जागी। नगर पंचायत क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी सेठ मैकूलाल केसरवानी के बाजार रोड स्थित मकान के पीछे बने गोदाम में तड़के करीब साढ़े तीन बजे रहस्यमय परिस्थितियों में आग लग गई। आग की भयावहता ऐसी थी कि देखते ही देखते आसमान में धुएं के गुबार और लपटें उठने लगीं, जिससे पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई।

गोदाम में रखा हार्डवेयर का कीमती सामान- पाइप, टंकी, गेहू जलकर पूरी तरह राख हो गया। सेठ जी के नाती राज केसरवानी के अनुसार आग से करीब 20-25 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। लेकिन गनीमत यह रही कि ऊपर रहने वाले किरायेदार के कमरे में रखा गैस सिलेंडर समय रहते सुरक्षित रहा, वरना हादसा और भी भयावह हो सकता था। सूचना पर फायर ब्रिगेड व प्रशासन हरकत में आया। महज 15 मिनट में दमकल दल मौके पर पहुंचा और करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोग भी अपने स्तर पर सबमर्सिबल पंप और पानी की बाल्टियों से आग बुझाने में जुट गए। मौके पर पहुंचे मऊ कस्बा के लेखपाल संगम लाल ने तत्काल राजस्व विभाग को सूचित करते हुए मौका मुआयना किया। लपटें भले ही सामान को निगल गईं, पर समय पर उठाए गए कदमों ने एक बड़ा हादसा होने से टाल दिया।

संस्कार, संस्कृति व संस्कृत के स्तंभ को मिला साहित्य का सर्वोच्च तिलक

जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार देती महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय साहित्य के सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से चित्रकूट स्थित तुलसी पीठ के संस्थापक, महान संस्कृताचार्य, महाकवि व दिव्य दृष्टि के प्रतीक जगद्गुरु रामभद्राचार्य को शुक्रवार को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें भारतीय साहित्य, विशेषतः संस्कृत भाषा और वेद, पुराण, काव्य सहित अद्वितीय आध्यात्मिक रचनाओं में किए गए अतुलनीय योगदान के लिए दिया गया। समारोह में देश भर से आए विद्वानों, साहित्यकारों, संतों और राजनेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जगद्गुरु का जीवन ज्ञान, सेवा और समर्पण का उदाहरण है।

पुलिस वाहन के पीछा करने पर पलटा ट्रैक्टर, एक की मौत

चित्रकूट। जिले के मऊ थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कनभय पहाड़ मार्ग पर सिलिका सैंड से लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे शंकरगढ़ प्रयागराज के बिहारियपुरवा निवासी अनीस कोल की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 9 बजे हुआ, जब मृतक के भाई अर्जुन कोल के अनुसार एक पुलिस वाहन (डायल 112) ट्रैक्टर का पीछा कर रहा था। अर्जुन कोल ने बताया कि पुलिस से बचने की कोशिश में ट्रैक्टर तेज रफ्तार में था, जिससे संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस की डायल 112 गाड़ी पर दुर्घटना के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह हादसा पुलिस की अनावश्यक दबिश और पीछा करने की वजह से हुआ। मऊ थाना प्रभारी दुर्विजय सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर डायल 112 के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर मौजूद यूटिलिटी वाहन व पलटा हुआ ई रिक्शा

यूटिलिटी ने मारी स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा को मारी टक्कर

- बाल-बाल बचे मासूम, चालक फरार

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत घुस के मैदान पुरानी बाजार में सोमवार को एक सनसनीखेज हादसा हो गया, जब स्कूली बच्चों से भरे ई.रिक्शा को तेज रफ्तार यूटिलिटी यन्द 96टी 9877 ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई.रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चीख.पुकार मच गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा जानी नुकसान नहीं हुआए लेकिन बच्चे बुरी तरह दहशत में आ गए। हादसे के बाद यूटिलिटी वाहन का चालक मौके से फरार हो गयाए जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। हादसे के बाद बच्चों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाला और परिजनों को सूचना दी गई।

साइबर अपराधियों के मददगार गिरोह का भंडाफोड़, सरगना सहित 6 दबोचे

- सिम कार्ड सिंडिकेट का पर्दाफाश

अखंड भारत संदेश

पुलिस गिरफ्त में सामान समेत आरोपी

चित्रकूट। जिले से एक सनसनीखेज खुलासा सामने आया है, जहां यूपी एसटीएफ ने साइबर क्राइम की काली दुनिया में खलबली मचा दी है। मंगलवार को एसटीएफ ने टेलीकॉम कंपनियों के अधिकारियों से साठगांठ कर फर्जी सिम कार्डों के जरिये ऑनलाइन ठगी को अंजाम देने वाले एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के सरगना ओमप्रकाश अग्रहरि समेत 6 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य गिरफ्तार अभियुक्तों में शिवदयाल निषाद, राहुल पांडे, जितेंद्र कुमार, शिवबाबू और सुरेंद्र सिंह शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से कई मोबाइल कंपनियों के एक्टिव सिम कार्ड, बायोमेट्रिक स्कैनर और नगदी बरामद हुई है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं- गिरोह के सरगना ओमप्रकाश ने 2006 में अग्रहरि कम्युनिकेशन नाम से फर्म बनाकर हच कंपनी से डिस्ट्रीब्यूटरशिप ली थी। वर्ष 2009 से 2014 तक शिवदयाल निषाद इसी फर्म में डायरेक्ट सेल्स एग्जीक्यूटिव रहा। एसटीएफ की शुरूआती जांच में पता चला है कि इस गिरोह ने बीते 2-3 वर्षों में 10,000 से अधिक सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिवेट किए हैं, जो बाद में साइबर अपराधियों को बेच दिए गए। अब एसटीएफ इस हाई-प्रोफाइल गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का जल्द ही फोरेंसिक परीक्षण कराया जाएगा।

आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम

आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। जिले में शुक्रवार को आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ एक गरिमामयी कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण से हुई, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक चित्रकूटधाम मंडल डॉ ऊषा वर्मा, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ दिलीप सिंह, व योग विभाग प्रभारी डॉ जितेन्द्र सिंह (जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय) ने भाग लिया। शुभारंभ के बाद आयुष मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर ग्राम एलहा बढ़ैया, विकास खंड मानिकपुर के लिए रवाना किया गया। मोबाइल टीम में डा कुसमेंद सिंह, शिवम शुक्ला (डीपीएम आयुष चित्रकूट), आदर्श कुमार (फार्मासिस्ट) व विनय कुमार सिंह (वार्ड ब्वॉय) शामिल हैं।

रविवार मच्छर पर वार- चित्रकूट में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

- लोगों को किया गया जागरूक

चित्रकूट। जिले में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के मौके पर लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए शपथ ग्रहण कराई गई और विविध जनहितकारी गतिविधियाँ संचालित की गईं। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार ने बताया कि डेंगू दिवस का मुख्य उद्देश्य आमजन में इस रोग को लेकर सजगता बढ़ाना और सतर्कता को जीवन का हिस्सा बनाना है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गंगाराम रतमेले ने बताया कि डेंगू एक घातक वायरल रोग है, जो मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है और यह मच्छर दिन के समय काटता है। तेज बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, उल्टी और त्वचा पर चकत्ते इसके प्रमुख लक्षण हैं। वहीं, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष 2024 में 11 डेंगू पॉजिटिव केस सामने आए थे, जबकि वर्ष 2025 में अब तक एक भी डेंगू रोगी नहीं पाया गया है, जो जिले में बेहतर रोकथाम उपायों का परिणाम है। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर मलेरिया विभाग की टीम ने संवेदनशील क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन अभियान, एंटीलार्वा स्प्रे, और जागरूकता रैलियों का आयोजन किया । हर रविवार मच्छर पर वार अभियान के तहत नागरिकों को सप्ताह में एक दिन अपने कूलर, गमलों, छतों व आसपास जमा पानी को हटाने की शपथ दिलाई गई।

पैम्फलेट बांट कर डेगूं पर जागरूक करती स्वास्थ्य टीम

पहाड़ी संपर्क मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो घायल

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ी संपर्क मार्ग पर मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पहाड़ी थाना प्रभारी पंकज तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू कराया। थाना प्रभारी ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बिना देरी किए एम्बुलेंस के माध्यम से उन्हें नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सड़क पर मोड़ पर तेज रफ्तार में दोनों बाइकें आमने-सामने आ गईं, जिससे हादसा हुआ। फिलहाल घायलों की पहचान की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

तिरंगा यात्रा में मौजूद भाजपाई

तिरंगा यात्रा में गूंजा शौर्य का जयघोष, ऑपरेशन सिंदूर बना राष्ट्रगौरव का प्रतीक

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को चित्रकूट में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। एलआईसी तिराहा से शुरू हुई यह यात्रा धनुष चौराहा होते हुए पुनः एलआईसी तिराहा पर समाप्त हुई। मां भारती के जयकारों और सेना के पराक्रम को नमन करते हुए जनसैलाब उमड़ पड़ा। धर्मपाल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर की गई सैन्य कार्रवाई ने भारत की शक्ति और संप्रभुता का लोहा दुनिया से मनवाया है। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह तिरंगा यात्रा वीर जवानों को श्रद्धांजलि और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट भारत की तस्वीर है। इस मौके पर पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व विधायक आनन्द शुक्ला, पूर्व मंत्री चन्द्रिका उपाध्याय, आनन्द सिंह सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीकेके का खत्म होना तुर्की के लिए कितना मायने रखता है?

तुर्की

कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने तुर्की सरकार के खिलाफ अपने लंबे चले सशस्त्र संघर्ष को बंद करने पर सहमति जताई है. जानिए क्या है ये पीकेके, यह तुर्की की राजनीति और इसके पड़ोसी देशों के लिए कितना मायने रखता है?

तुर्की सरकार के खिलाफ 41 साल तक हथियारबंद लड़ाई लड़ने के बाद, ह्यकुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी' (तुर्की में संक्षिप्त नाम, पीकेके) ने घोषणा की है कि वह अपने सशस्त्र समूह को भंग कर देगी. तुर्की सरकार के प्रतिनिधियों और विपक्षी दलों के राजनेताओं ने इस फैसले का स्वागत किया है. उन्होंने उम्मीद जताई है कि लंबे समय से चले आ रहे खूनखराबे वाले संघर्ष का अंत होगा, जिसमें अब तक करीब 40,000 लोगों की जान गई है.

पीकेके की इस घोषणा के बाद एक ओर जहां जश्न का माहौल है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं. जर्मनी और दूसरे देशों ने पीकेके को आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है. राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस समूह के भंग होने से, तुर्की में राजनीतिक शक्ति का संतुलन पूरी तरह से बदल सकता है. तुर्की की राजनीति में क्या बदलाव आएगा?

इस्तांबुल राजनीतिक अनुसंधान संस्थान (इस्तानपोल) के सह-निदेशक सेरेन सेल्विन कोर्कमास कहते हैं कि यह तुर्की की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है. उन्होंने बताया, "एक साल पहले हम जिन राजनीतिक समीकरणों की बात कर रहे थे वे आज पूरी तरह से अलग दिख रहे हैं. पार्टियों को अपने कार्यक्रमों और विमर्श को बदलना होगा.

खास तौर पर, पीपुल्स इक्वालिटी ऐंड डेमोक्रेसी पार्टी (डीईएम) के लिए चीजें बहुत बदल सकती हैं, जो कुर्द समर्थक राजनीतिक पार्टी है. कोर्कमास के मुताबिक, अगले तीन वर्षों में दो चीजें तुर्की की राजनीति पर काफी ज्यादा असर डालेंगीः पीकेके के साथ शांति वार्ता आगे कैसे बढ़ती है और जेल में बंद इस्तांबुल के मेयर इकरम इमामोलु से जुड़ी कानूनी स्थिति.

लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित मेयर

इमामोलु को मार्च में हिरासत में लिया गया था, जबकि पीकेके के साथ शांति वार्ता की प्रक्रिया पहले से ही चल रही थी. कोर्कमास ने बताया कि इमामोलु की अपनी पार्टी, रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) को अब एर्दोआन सरकार के ह्यनए दुश्मन' के तौर पर बताया जा रहा है. वे कुर्द समर्थक राजनीतिक आंदोलन की जगह ले रहे हैं, जो हाल के वर्षों में तुर्की सरकार का सबसे बड़ा विरोधी था. एर्दोआन को चुनौती देने वाले इस्तांबुल के मेयर हिरासत में इमामोलु के साथ जेल में कई कुर्द नेता भी बंद हैं, जिनमें सेलाहतीन देमीरतास भी शामिल हैं. वे डीईएम पार्टी के पूर्व सह-अध्यक्ष हैं, जिन्हें 2016 में राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित आतंकवाद के आरोप में जेल में डाला गया था. कुर्द समर्थक अब यह उम्मीद कर रहे हैं कि उनके कुछ नेता जेल से छूट जाएंगे. हालांकि, उन कैदियों का क्या होगा, ये अभी ठीक से पता नहीं है.

इस्तांबुल स्थित थिंक टैंक ह्यरिफॉर्म इंस्टीट्यूट' के राजनीतिक वैज्ञानिक मेसुत येगेन का तर्क है, "संविधान के हिसाब से कुर्द मामले पर बात करने के लिए अब सबसे ज्यादा जरूरी है कि थोड़ी शांति हो या सब मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से चलें. असल में, तुर्की को और ज्यादा लोकतांत्रिक बनाने के लिए संविधान में नए सिरे से बदलाव करना होगा, पर अभी यहां एक ऐसी सरकार है जो सत्तावादी प्रवृत्तियों वाली राष्ट्रपति व्यवस्था को बदलना नहीं चाहती है.ह्व

कई सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं

यह भी स्पष्ट नहीं है कि पीकेके कब, कैसे और किसे अपने हथियार सौंपेगा. किसी को नहीं पता कि ये सब अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में होगा या नहीं, पूरी तरह से हथियार छोड़े जाएंगे या यह सिर्फ एक प्रतीकात्मक इशारा है. आधिकारिक स्रोतों का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इन सवालों के जवाब अगले कुछ महीनों में मिल सकते हैं. ऐसा लगता है कि सरकार किसी तरह की योजना पर काम कर रही है.

हालांकि, इन तमाम बातों के बीच एक और बड़ी उलझन बनी हुई है. पीकेके के भीतर ही इस समूह को भंग करने का कुछ विरोध है. समूह के कई बड़े सदस्यों को अभी भी मनाना बाकी है. इसके अलावा, इस बारे में भी चर्चा हुई है कि क्या कोई नया संगठन पीकेके की जगह ले सकता है? कुर्दिस्तान डेमोक्रेटिक कम्युनिटीज यूनियन या केसीके का अब क्या होगा?

तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने स्पष्ट कर दिया है कि पीकेके का हथियारबंद संघर्ष छोड़ देना काफी नहीं होगा. 9 मई को एक टीवी इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, "सिर्फ हथियार डालना पर्याप्त नहीं है. अवैध और खुफिया संरचनाओं को समाप्त करना आवश्यक है. राजनीतिक दलों और गैर सरकारी संगठनों को दिए गए अवसरों का लाभ उठाकर एक जवाबदेह संगठन मॉडल विकसित किया जाना चाहिए.ह्व फिदान ने कहा कि वे अलग-अलग तरह की स्थितियों के लिए तैयार हैं.

अधर में क्यों लटके हैं पीकेके के सदस्य?

पीकेके के सदस्यों का भविष्य भी अनिश्चित है, जिनमें उत्तरी इराक के पहाड़ों में शरण लेने वाले लड़ाके और शहरों के कार्यकर्ता शामिल हैं. पीकेके के लगभग 60,000 समर्थक हैं, जिनमें इसके लड़ाके, समर्थक और समूह की मदद करने वाले सामान्य नागरिक शामिल हैं.

पीकेके के सभी लोगों को माफ कर देना एक मुश्किल और विवादास्पद बात मानी जा रही है. शायद उन्हें वापस समाज में लाने के लिए कुछ कार्यक्रम बनाए जाएं, लेकिन तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन सबको एक साथ माफ कर दें, इस बात की संभावना कम ही लगती है. इससे सामाजिक तनाव पैदा होने की आशंका काफी ज्यादा है.

पीकेके के प्रमुख सदस्य तुर्की वापस नहीं लौट पाएंगे. कुछ तीसरे देशों में जा सकते हैं, अन्य उत्तरी इराक में रह सकते हैं, लेकिन इस पर भी अभी फैसला होना बाकी है. एर्दोआन की सरकार निश्चित तौर पर यह नहीं चाहती है कि पीकेके का नेतृत्व करने वाले जो 300 सदस्य पड़ोसी मुल्क इराक, सीरिया या ईरान में रह रहे हैं उन्हें वहीं रहने दिया जाए।

पाकिस्तान पहले नीयत और भाषा सुधारे, सेना पर राजनीति बंद हो : ध्रुव कटोच

नई दिल्ली। डिफेंस विशेषज्ञ और इंडिया फाउंडेशन के डायरेक्टर मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) ध्रुव सी कटोच ने पाकिस्तान और भारतीय सेना से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान से संबंधित कई मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट की। पाकिस्तान की नीयत और आतंकवाद से जुड़े मसले पर भी उन्होंने विचार रखे। ध्रुव कटोच ने गुरुवार को पाकिस्तान को भाषा सुधारने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को भारत से कुछ प्राप्त करना है, तो सबसे पहले भाषा में बदलाव होना चाहिए। पाकिस्तान को भारत के साथ संवाद के लिए अपनी भाषा और रवैया सुधारना होगा। यह बदलाव तभी संभव है जब पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन छोड़ दे और भारत के साथ शांति की ओर कदम बढ़ाए। पाकिस्तान द्वारा भारत से पानी की मांग पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सबसे पहले अपनी नीयत को बदलने की जरूरत है। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन छोड़ना होगा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

इस्तांबुल में होगी रूस-यूक्रेन शांति वार्ता, पुतिन और जेलेंस्की नहीं होंगे मौजूद

अंकारा/इस्तांबुल। यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रही जंग को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में दोनों देशों के बीच शांति बैठक होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस बैठक में भाग नहीं लेंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की गुरुवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ वार्ता की। वार्ता के बाद अंकारा स्थित यूक्रेनी दूतावास में उन्होंने कहा, "रूस के साथ शांति वार्ता को लेकर हम गंभीर हैं। वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा।"

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, "यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति वार्ता के लिए रूस के प्रतिनिधिमंडल में ऐसा कोई नहीं दिखा जो निर्णय लेने वाला हो, इसलिए मॉस्को पर संदेह है। शांति वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव करेंगे, जिसमें सैन्य और खुफिया अधिकारियों सहित कुछ और लोग शामिल होंगे।" जेलेंस्की ने कहा कि, "अगर नेताओं के स्तर पर बिना शर्त युद्ध विराम पर चर्चा की जाएगी, तो वे चर्चा के लिए तैयार हैं। वार्ता शुक्रवार को हो सकती है।"

वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वरिष्ठ सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा कि, "उनकी टीम के पास बातचीत करने के लिए आवश्यक योग्यताएं हैं और वे रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से 'संभावित समाधान खोजने' और कॉमन ग्राउंड पर ध्यान केंद्रित करेंगे।"

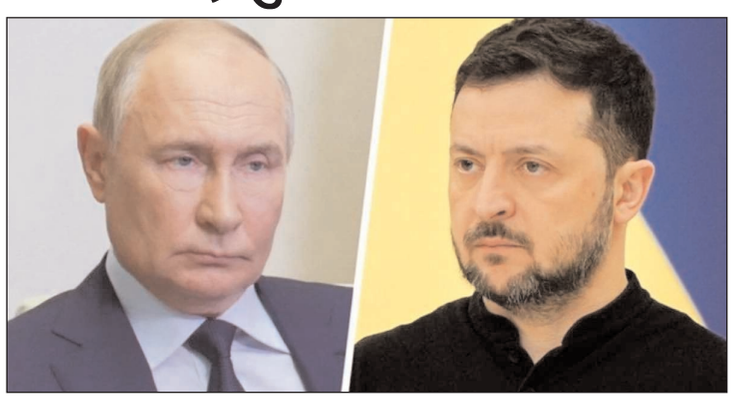

इस्तांबुल में रूसी वाणिज्य दूतावास के बाहर राजनयिक ने कहा कि रूस, इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ वार्ता को 2022 में बाधित शांति प्रक्रिया की "निरंतरता" के रूप में देखता है। हमारी टीम का मुख्य उद्देश्य संघर्ष के कारणों को चिह्नित कर स्थायी शांति सुनिश्चित करना है।"

अंताल्या में हुई नाटो देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा, "रूस और यूक्रेन दोनों ने सैद्धांतिक रूप से युद्ध विराम के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की है। हालांकि, दोनों के अपने-अपने विचार हैं। यूक्रेन तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम चाहता है, जबकि रूस शांति वार्ता की सफलता के बाद युद्ध विराम का पक्षधर है।"

फिदान ने आगे कहा, "दोनों देशों के बीच वार्ता एक निश्चित चरण में पहुंच गई है। अब इन्हें शांति के लिए हर संभव प्रयास करने और एक दूसरे को रियायत देनी चाहिए।"

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, "वाशिंगटन रूस और यूक्रेन के बीच कूटनीति और बातचीत के जरिए विवाद के समाधान का समर्थन करता है।

भूकंप के झटकों से दहला चीन, 4.5 रही तीव्रता

बीजिंग। चीन में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भारतीय समयानुसार 6:29 बजे चीन में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर नीचे थी, जिसका अक्षांश 25.05 उत्तर तथा देशांतर 99.72 पूर्व था।

यह भूकंप म्यांमार से सटे चीन के इलाके में आया है। हालांकि, इस भूकंप में जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

बता दें कि चीन के पड़ोसी देश पाकिस्तान में 12 मई को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। हालांकि,

इस भूकंप में जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली थी।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, पाकिस्तान में सोमवार दोपहर एक बजकर 26 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह भूकंप मध्यम तीव्रता का था और इसका केंद्र बलूचिस्तान में था। इस भूकंप की गहराई 10 किमी नीचे थी, जिसका अक्षांश 29.12 उत्तर तथा देशांतर 67.26 पूर्व था।

इससे पहले तुर्की और पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। बीते दिन गुरुवार को तुर्की में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया था। तुर्की के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर के बाद महसूस किया गया था। रिक्टर पैमाने पर मध्यम श्रेणी के इस भूकंप का केंद्र कोन्या प्रांत में था, जो देश के सेंट्रल एनाटोलिया क्षेत्र में आता है।

पिछले एक हफ्ते में दुनिया के कई देशों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान, चीन, तुर्की के अलावा कई देशों में धरती कांपी। अफगानिस्तान में शुक्रवार रात 1 बजे फिर से भूकंप आया।

कूटनीतिक तरीके से सुलझ सकता है रूस-यूक्रेन विवाद : मार्को रुबियो

इस्तांबुल। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष का समाधान सैन्य तरीके की बजाय कूटनीतिक तरीके से निकाला जा सकता है।

मार्को रुबियो ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष का हल सैन्य तरीके से नहीं निकाला जा सकता। इसके लिए कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने तुर्की के अंताल्या में नाटो देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह बयान दिया।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पर विराम लगने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 11 मई को क्रेमलिन में कीव प्रशासन को सीधे वार्ता का प्रस्ताव दिया था। हालांकि उन्होंने बिना किसी शर्त के वार्ता का प्रस्ताव रखा है। बता दें कि दोनों देशों के बीच 2022 में वार्ता की कोशिश हुई थी जिसका कोई परिणाम नहीं निकला था और इसे स्थगित कर दिया गया था।

रूस की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने गुरुवार को बताया कि रूस का प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए इस्तांबुल पहुंच चुका है और यूक्रेन के साथ गंभीर वार्ता के लिए तैयार है। राष्ट्रपति पुतिन ने

पहले ही बिना किसी शर्त और विलंब के यूक्रेन के साथ वार्ता शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इस्तांबुल पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रपति पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेंडिस्की, उप विदेश मंत्री मिखाईल गालुजिन, रूसी आर्म फोर्स के मुख्य निदेशक इगोर कॉस्ट्यूकोव और रक्षा मंत्री एलेक्जेंडर फॉर्मिन शामिल हैं। पुतिन इसका हिस्सा नहीं हैं।

सऊदी अरब में द्विपक्षीय निवेश बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी रूस और यूक्रेन के बीच तुर्की में होने वाली बैठक को अहम बताया था।

पत्रकारों से बात करते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कॉव ने कहा, "रूसी प्रतिनिधिमंडल के तुर्की रवाना होने से पहले पुतिन ने एक बैठक की थी जिसमें यूक्रेन के साथ होने वाली बैठक की व्यवस्था की जानकारी ली थी।"

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ इस्तांबुल में रूस के साथ प्रस्तावित बैठक पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि रूस की तरफ से प्रतिनिधिमंडल में कौन आएगा, उसके अनुसार फैसला लिया जाएगा।

चीनी तट रक्षक ने 8 विदेशी मछुआरों को बचाया

बीजिंग। चीनी तट रक्षक (सीसीजी) के अधीनस्थ दूसरे ब्यूरो ने 13 मई को संकट में फंसे आठ विदेशी मछुआरों को सफलतापूर्वक बचाया।

बताया जाता है कि 13 मई की शाम को 5 बजकर 31 मिनट पर उच्च स्तरीय विभाग से सूचना मिली कि दक्षिण कोरिया की मछुआ नाव "887 ईओजिन" पूर्वी चीन सागर में संकट में है। नाव का पतवार टूट चुका है और स्थिति बहुत गंभीर है।

सीसीजी के अधीनस्थ दूसरे ब्यूरो ने सूचना मिलने के बाद तुरंत राहत करने के लिए दो जहाज भेजे। इसके साथ ब्यूरो ने आपात योजना के अनुसार, चच्यांग प्रांत के समुद्री खोज और बचाव केंद्र के साथ संपर्क किया और संयुक्त बचाव किया।

चीनी जहाजों ने सफलता से संकट में फंसे आठ विदेशी मछुआरों को बचाया और सुरक्षित रूप से स्थानांतरित किया। उसके बाद समय पर उन्हें पेय जल व भोजन आदि दैनिक आवश्यकताएं दीं और शारीरिक स्थिति की जांच की। अब सभी मछुआरे सुरक्षित और स्वस्थ हैं। 14 मई को सुबह सीसीजी और दक्षिण कोरिया की जेजू समुद्री पुलिस एजेंसी ने घटना स्थल पर बचाए गए मछुआरों का सफल हस्तांतरण किया। दक्षिण कोरिया की जेजू प्रांतीय सरकार के प्रमुख वू लयेशुन ने जेजू स्थित चीनी कौंसुलेट जनरल जाकर आभार जताया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सीसीजी की शीघ्र राहत में सभी आठ मछुआरों को बचाया गया। यह बचाव एक प्रतीकात्मक गतिविधि है। इससे दक्षिण कोरिया व चीन के बीच मित्रता और जेजू व चीन के बीच गहरे संबंध स्पष्ट हुए।

वहीं, चीनी जनरल कौंसुलर छन च्येनच्वुन ने कहा कि चीन और दक्षिण कोरिया समुद्र के पार पड़ोसी हैं। हमारे बीच आदान-प्रदान का इतिहास हजार वर्ष पुराना है। विशेषकर समुद्री सुरक्षा और मछुआरों की आपसी मदद में हमने व्यापक उपलब्धियां हासिल कीं।

वू लयेशुन ने कहा कि इस साल सितंबर में दक्षिण कोरिया और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन होगा।

इस मौके पर जेजू प्रांत सीसीजी के संबंधित व्यक्तियों को आमंत्रित करेगा और उन्हें मानद निवासियों की उपाधि प्रदान करेगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

बेल्जियम के पैराडाइज चिड़ियाघर में तीन चीनी सुनहरे बंदरों का स्वागत

बीजिंग। चीन के छिनलिंग पर्वत से तीन सुनहरे बंदर सछान एयरलाइंस के कार्गो विमान से बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स पहुंचे।

निरीक्षण व संगरोध पूरा करने के बाद, इन तीनों सुनहरे बंदरों को बेल्जियम के पैराडाइज चिड़ियाघर ले जाया गया, जहां से उन्होंने यूरोप में अपना नया जीवन शुरू किया। यह वन्यजीव संरक्षण पर बेल्जियम-चीन सहयोग में एक नया और महत्वपूर्ण कदम है।

पैराडाइज चिड़ियाघर के गेट पर इन तीन सुनहरे बंदरों के आगमन ने बड़ी संख्या में स्थानीय पर्यटकों को आकर्षित किया।

इन तीन सुनहरे बंदरों में एक नर और दो मादा हैं। बेल्जियम के पैराडाइज चिड़ियाघर ने उनके लिए एक नया बंदर घर और बंदर पर्वत विशेष रूप से बनाया है।

ये तीनों सुनहरे बंदर संगरोध और अनुकूलन अवधि पूरी करने के बाद अपना आधिकारिक पदार्पण करेंगे।

भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता के दावे से पलटे ट्रंप, बोले - 'मैंने मदद की'

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में मध्यस्थता के अपने पहले किए गए दावे से पीछे हटते हुए गुरुवार को कहा कि उन्होंने दोनों देशों को शांत करने में 'मदद' की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कतर की राजधानी दोहा में इतना जरूर कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच उत्पन्न हो रहे हालात को शांत करने में अहम भूमिका निभाई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ही यह किया, लेकिन मैं कह सकता हूं कि मैंने इस समस्या को शांत करने में जरूर मदद की। पिछले सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो रहे थे और अचानक सब कुछ शांत हो गया। मुझे उम्मीद है कि जब मैं यहां से जाऊं, तो दो दिन बाद यह फिर से न बिगड़े।"

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार को बढ़ावा देने की बात की। उन्होंने कहा,

"हमने उनसे कहा, चलिए व्यापार करते हैं, लड़ाई नहीं। पाकिस्तान इस बात से खुश था, भारत भी खुश था और मुझे लगता है कि अब सब कुछ सही दिशा में जा रहा है।"

इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत और पाकिस्तान "लगभग 1000 साल से लड़ते आ रहे हैं"। उन्होंने कहा, "चलिए इसे सुलझाते हैं, लेकिन यह एक कठिन काम है। वे बहुत समय से लड़ते आ रहे हैं और यह स्थिति वास्तव में नियंत्रण से बाहर जा रही थी।"

इसके साथ ही, दोहा में व्यापार अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, "वे (भारत) हमें एक ऐसे सौदे की पेशकश कर रहे हैं, जिसमें वे मूल रूप से हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं।" हालांकि, ट्रंप की ओर से इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक से कहा कि वे भारत में और अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की अपनी योजना को छोड़ दें और इसकी बजाय अमेरिका में इन प्लांट के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। ट्रंप ने कहा, "एप्पल अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा।"